4 पेज

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

पेज 7

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 73 | ग्वालियर गुरुवार, 22 दिसम्बर 2022 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

कोरोना को लेकर यूपी में अलर्ट एयरपोर्ट पर होगी निगरानी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में कोरोना को लेकर अलर्ट जारी कर दिया गया है. उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सीएमओ को चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं. साथ ही कोविड प्रभावित देश की यात्रा से लौटे लोगों की जांच कराई जाएगी और एयरपोर्ट पर भी सतर्कता बढ़ाई जाएगी. बृजेश पाठक ने कहा कि पॉजिटिव मरीजों की जिनोम सीक्वेंसिंग जांच कराई जाए. भी स्वास्थ्य मंत्री समेत अन्य अधिकारियों के साथ कोरोना संक्रमण के बढ़ते खतरे को लेकर किए जाने वाले इंतजाम को लेकर बैठक कर सकते हैं. सर्दी-जुकाम और बुखार जैसे लक्षणों वाले यात्रियों को एयरपोर्ट पर ही चिन्हित कर उनकी जांच कराई जाएगी. इसके साथ यात्रा से लौटे लोगों को होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दी गई है. स्वास्थ्य विभाग को उन सभी लोगों की एक लिस्ट बनाने के लिए कहा गया है, जो विदेश से यात्रा कर लौटे हैं. 12 से 14 दिन तक यात्रा से लौटे लोगों की सेहत की जानकारी ली जाएगी. साथ ही मास्क, पीपीई किट और ग्लब्स पर्याप्त मात्रा में जुटाने के लिए कहा गया है. दरअसल, चीन और जापान में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं. ऐसे में अब भारत सरकार भी पहले से ही अलर्ट मोड पर चल रही है, जिससे बाद में होने वाली हर तरह की परेशानी से निपटा जा सके. केंद्र के बाद अब राज्य सरकार ने भी यात्रा के दौरान कोरोना गाइडलाइन का पालन करने के निर्देश दे दिए हैं. हालांकि, भारत में कोरोना की स्थिति फिलहाल सामान्य है.

दलाई लामा ने बताया भारत और चीन में क्या है सबसे बड़ा अंतर

नई दिल्ली। चीन का भारत के साथ कई सालों से सीमा विवाद चल रहा है. इसी बीच अब तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने चीन को आईना दिखाने का काम किया है. दलाई लामा ने चीन और भारत की तुलना करते हुए कहा कि दोनों ही देशों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं, लेकिन भारत में लोकतंत्र और धार्मिक आजादी है, जो उसे चीन से अलग बनाती है. इस दौरान उन्होंने दुनिया के हर इंसान पर परमाणु हथियारों के खतरे की भी बात कही. हरियाणा के गुरुग्राम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दलाई लामा ने कहा, चीन और भारत 2 सबसे ज्यादा आबादी वाले देश हैं. चीन में हाल के दशक में बहुत सारे उतार चढ़ाव आए हैं, लेकिन भारत में लोकतंत्र और धार्मिक स्वतंत्रता है. भारत की परंपरा है कि सभी धर्मों का सम्मान किया जाता है, जो बहुत अच्छी बात है. दलाई लामा ने हिंसा को लेकर आगे कहा, इंसानों में आपसी मतभेद पैदा करने का कोई मतलब नहीं है. हम सभी को बिना किसी हिंसा के एक साथ मिलकर रहना चाहिए. अगर कोई मतभेद हैं तो उन्हें ये सोचकर सुलझाना चाहिए कि सभी हमारे भाई-बहन की तरह हैं. हम अपने दिमाग में एक ऐसी दुनिया तैयार करें जो बिना हथियारों की हो.

हथियार बनाने में इस्तेमाल हो रहा इंसानी दिमाग–अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए दलाई लामा ने कहा कि आज हम देख रहे हैं कि दुनिया में आक्रामकता, अत्याचार और हिंसा का काफी बोलबाला है. कई लोग इसके चलते मारे गए, सभी परमाणु हथियार तैयार करने के लिए काफी उत्सुक दिखाई देते हैं. पिछली कुछ शताब्दियों में हमने काफी हिंसा देखी है. इंसानी दिमाग का इस्तेमाल हथियार तैयार करने, कैसे लोगों को मारा जाए और कैसे अपने पड़ोसी मुल्क को तबाह किया जाए... इसके लिए हो रहा है. ये बिल्कुल गलत है. बता दें कि चीन लगातार भारत को ये धमकी देता रहा है कि उसने दलाई लामा को संरक्षण दिया है, चीन का कहना है कि भारत दलाई लामा को उसे सौंप दे. हालांकि भारत हमेशा से दलाई लामा और उनके समर्थकों के हितों के लिए काम करता रहा है. हाल ही में दलाई लामा ने भी इसे लेकर बयान दिया था, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत छोड़कर चीन जाने की तो सवाल ही नहीं उठता है. उन्होंने कहा कि भारत ही उनका स्थायी निवास है और चीन के मुकाबले भारत को वो ज्यादा पसंद करते हैं.

ऊंची-ऊंची बिल्डिंग के शहर में 6 डिग्री तापमान में बिना छत गुजर-बसर करती जिंदगी

दिल्ली। दिल्ली में ठंड ने पैर पसारना शुरू कर दिया है, जिनके पास सुविधा है वो ठंड से खुद को बचा लेते है. गरीबों को मजबूरी में किसी तरह गुजर-बसर करके कड़ाके की ठंड को झेलना पड़ता है. एक अधिकारी ने

बताया कि पालम और सफदरजंग हवाई अड्डे पर सुबह साढ़े पांच से सात बजे के बीच दृश्यता घटकर 50 मीटर रह गई. सैटेलाइट से ली गयी तस्वीरों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान और उत्तर प्रदेश में कोहरे की मोटी परत दिखी.मौसम विभाग ने कहा कि लंबे समय तक कोहरे के संपर्क में रहने से गले में खराश, खांसी और अस्थमा से पीड़ित लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो सकती है.इससे आंखों में जलन या संक्रमण भी हो सकता है. ऊंची-ऊंची बिल्डिंग के शहर में गरीब लोगों को बिना किसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में किसी तरह जिंदगी की गुजर बसर कर रहे है. मौसम विभाग ने सोमवार को अनुमान जताया था कि सिंधु-गंगा के मैदानी हिस्सों यानी उत्तरी भारत के मैदानी क्षेत्रों में अगले पांच दिन घने से बहुत घना कोहरा छाया रह सकता है. कड़ाके की ठंड में गरीब लोग जैसे-तैसे जीवन के कठिन दौर में खुद को बचाने के कोशिश कर रहे है. इस तस्वीर को देखकर कोई भी इंसान अंदाजा लगा सकता है कि ये छोटी सी बच्ची बिना किसी गर्म कपड़े के कैसे रह रही होगी.

भारत जोड़ो यात्रा से घबरा गई मोदी सरकार

नई दिल्ली। दुनियाभर में बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए भारत सरकार भी इसे लेकर कई तरह की तैयारियां कर रही है. इसी बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को एक चिट्ठी लिखी, जिसमें उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा में कोरोना नियमों के पालन की बात कही है. अब इस चिट्ठी को लेकर जमकर घमासान मचा है, कांग्रेस नेता सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि वो भारत जोड़ो यात्रा से परेशान हो गए हैं इसीलिए अब कोरोना का बहाना बनाकर इसे खत्म करने की कोशिश की जा रही है. कांग्रेस नेता और राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने भी इस चिट्ठी पर सवाल उठाए और कहा कि स्वास्थ्य मंत्री को सबसे पहले पीएम मोदी को चिट्ठी लिखनी चाहिए.

भारत जोड़ो यात्रा से घबरा गई मोदी सरकार–कांग्रेस के कद्दावर नेता गहलोत ने अपने ट्विटर हैंडल से किए गए ट्वीट में लिखा, राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा 21 दिसंबर की सुबह पूरी हो गई पर यहां उमड़ी भारी भीड़ से भाजपा एवं मोदी सरकार इतनी घबरा गई है कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री 20 दिसंबर को श्री राहुल गांधी को राजस्थान में कोविड प्रोटोकॉल की पालना करने हेतु पत्र लिख रहे हैं. यह स्पष्ट दिखाता है कि भाजपा का उद्देश्य बढ़ते जनसमर्थन से घबराकर भारत जोड़ो यात्रा को डिस्टर्ब करने का है.

पीएम मोदी की रैली का किया जिक्र–अशोक गहलोत ने पीएम मोदी की रैली का जिक्र करते हुए लिखा, दो दिन पहले प्रधानमंत्री जी ने त्रिपुरा में रैली की थी जहां किसी भी कोविड प्रोटोकॉल की पालना नहीं हुई. कोविड की दूसरी लहर में पीएम ने बंगाल में बड़ी रैलियां की थीं. अगर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का उद्देश्य राजनीतिक ना होकर उनकी चिंता जायज है तो उन्हें सबसे पहला पत्र प्रधानमंत्री को लिखना चाहिए था.

कांग्रेस हमलावर, बीजेपी ने दिया जवाब–स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राहुल गांधी को कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने को लेकर चिट्ठी लिखी, इस चिट्ठी के बाद कांग्रेस ने सरकार पर जमकर पलटवार किया और कहा कि सरकार राजनीति कर रही है. कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से बीजेपी बौखला गई है. लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ये सब किया जा रहा है. वहीं सरकार का बचाव करने उतरे केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, सवाल ये खड़ा होता है कि क्या एक परिवार सभी प्रोटोकॉल से ऊपर है. ये मैं मान सकता हूं कि कांग्रेस में कांग्रेस के राष्टीय अध्यक्ष से ज्यादा एक परिवार को मान्यता मिलती है परन्तु कोविड प्रोटोकॉल का तो उनको पालन करना होगा.

मिलिट्री सीक्रेट नहीं मांग रहे चीन पर चर्चा की कर रहे हैं मांग

भारतीय सीमा पर चीन की बढ़ती घुसपैठ को लेकर विपक्ष मोदी सरकार पर हमलावर है. विपक्षी दलों की मांग है कि संसद में चीन के मुद्दे पर चर्चा हो और सरकार जवाब दे. इसे लेकर संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने प्रदर्शन भी किया. पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने भी सरकार को चीन के मुद्दे पर घेरने की कोशिश की. उन्होंने सरकार से कहा कि हम आपसे मिलिट्री सीक्रेट नहीं मांग रहे हैं, हमारी मांग सिर्फ ये है कि चीन को लेकर चर्चा की जाए. कांग्रेस सांसद पी चिदंबरम ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब चीन को लेकर हमारी प्रतिक्रिया साफ है तो ऐसा क्या है जो चीन को हर बार घुसपैठ करने का साहस देता है. सीमा पर घुसपैठ क्यों नहीं रोकी जा रही है. हम सिर्फ इतना जानना चाहते हैं कि चीन को लेकर भारत सरकार की क्या तैयारियां हैं. चीन के साथ 16 राउंड की बातचीत के बाद हमने क्या हासिल किया। बाली में भारतीय प्रधानमंत्री अगर शी जिनपिंग से बात की तो उनसे इस मुद्दे को लेकर क्या कहा।

सोनिया समेत तमाम सांसदों ने बोला हमला–चिदंबरम के अलावा कांग्रेस के तमाम सांसदों ने सरकार पर जमकर हमला बोला. सोनिया गांधी ने कहा कि सरकार को चीन के मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए. वहीं कांग्रेस के ही सांसद शशि थरूर ने सरकार से कहा कि हम सभी देश की रक्षा के लिए खड़े हैं. सरकार को अपनी जवाबदेही दिखानी चाहिए. उन्होंने पूछा कि सरकार इसके लिए क्या कर रही है, सरकार को इस बात का भी जवाब देना चाहिए कि 2020 में 20 भारतीय जवान क्यों मारे गए थे. कांग्रेस और विपक्षी दलों के हमले से सरकार का बचाव करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, नकली कांग्रेस को बीच-बीच में महात्मा गांधी याद आते हैं ये अच्छी बात है. मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि उनके कार्यकाल में क्या हुआ था, हमने क्या खोया था। नेहरू जी के कारण कितनी जमीन हमने खोई थी, कितना पाया था, उन्हें इसकी जानकारी निकाल लेनी चाहिए.

क्या यूपी के मदरसों में अब शुक्रवार की बजाय रविवार को होगी छुट्टी?

उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड को मदरसों में शुक्रवार के बजाय रविवार को साप्ताहिक छुट्टी किए जाने का प्रस्ताव सौंपा गया है. इस संबंध में आखिरी फैसला बोर्ड की जनवरी में आयोजित होने वाली बैठक में लिया जाएगा. उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. इफ्तिखार अहमद जावेद ने बुधवार को बताया कि मंगलवार को 'उत्तर प्रदेश अशासकीय अरबी और फारसी मान्यता प्रशासन एवं सेवा विनियमावली- 2016' में जरूरी संशोधन और बदलाव के सिलसिले में एक बैठक बुलाई गई थी. इसमें बोर्ड के सदस्यों के साथ-साथ बड़ी संख्या में मदरसों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. जावेद के मुताबिक, बैठक में मदरसों में शुक्रवार के बजाय रविवार को साप्ताहिक छुट्टी किए जाने का प्रस्ताव रखा गया. मदरसों में साप्ताहिक छुट्टी को लेकर बहुत दिनों से मदरसों से जुड़े लोगों की ओर से ऐसी मांग भी की जा रही थी.

अच्छा लगा कि सभी ने पार्टी लाइन से हटकर फैट ग्रेन लंच की तस्वीरें शेयर करते हुए बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह ने मंगलवार को सभी सांसदों के लिए दोपहर के भोजन की मेजबानी की, जिसके केंद्र में मोटे अनाज से बने व्यंजन हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष को चिह्नित करने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह ने मंगलवार (20 दिसंबर) को लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के लिए विशेष कदन्न (मिलेट) भोजन की मेजबानी की. इसमें पीएम मोदी करीब 40 मिनट मौजूद रहे. पीएम मोदी ने ट्वीट किया, हम अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 की तैयारी कर रहे हैं. संसद में एक शानदार दोपहर के भोजन में भाग लिया जहां बाजरे के व्यंजन परोसे गए. सभी पार्टी के नेताओं की भागीदारी को देखकर अच्छा लगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (20 दिसंबर) को बीजेपी संसदीय दल की बैठक में बेहतर स्वास्थ्य के लिए मोटे अनाज और खेलों की अहमियत पर बल दिया और सांसदों से इन्हें प्रोत्साहित करने की दिशा में काम करने को कहा. मीटिंग के बाद रिपोर्टरों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि पीएम मोदी ने बीजेपी सांसदों से कहा कि देश के ज्यादातर छोटे किसानों के उगाए जाने वाले मोटे अनाज को लोकप्रिय बनाना देश की सेवा करने के बराबर है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि संयुक्त राष्ट ने उनकी सरकार के अनुरोध पर 2023 को मोटे अनाज का अंतरराष्ट्रीय वर्ष घोषित किया है क्योंकि उन्होंने मोटे अनाज को भोजन का एक लोकप्रिय विकल्प बनाने का आह्वान किया था. भारत की अध्यक्षता में जी-20 से जुड़ी बैठकों में हजारों विदेशी प्रतिनिधियों के बड़ी संख्या में शामिल होने की संभावना के बीच पीएम मोदी ने कहा कि मोटे अनाज को उनके लिए परोसे जाने वाले भोजन और व्यंजनों का हिस्सा बनाया जा सकता है. पीएम मोदी ने कहा कि मोटे अनाज को आंगनवाड़ियों, स्कूलों, घरों और सरकारी बैठकों में भी उपयोग किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि सांसद अपनी मेजबानी में होने वाली बैठकों में मोटे अनाज से बने व्यंजनों का उपयोग कर सकते हैं. उन्होंने साथ ही कहा कि छोटे किसानों की श्रेणी में आने वाले 85 प्रतिशत से अधिक भारतीय किसान बड़ी संख्या में बाजरा उगाते हैं, ऐसे में इन अनाजों की खपत में वृद्धि से उन्हें आर्थिक मदद मिलेगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसदों से कबड्डी जैसे भारतीय खेलों पर विशेष ध्यान देने के साथ खेल संबंधी बैठकों को बढ़ावा देने के लिए भी कहा.

क्या है सामाजिक प्रगति सूचकांक, बिहार-झारखंड सबसे पीछे

देश में कुछ रैंकिंग और रिपोर्ट्स ऐसे जारी किए जाते हैं, जिससे राज्यों के बीच बेहतरी के लिए प्रतिस्पर्धा पैदा की जा सके. ऐसी ही एक रिपोर्ट है- सामाजिक प्रगति सूचकांक यानी एसपीआई. इस रिपोर्ट को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद जारी करती है. साल 2022 का एसपीआई रिपोर्ट 20 दिसंबर को जारी किया गया. इस रिपोर्ट में कई मापदंडों को ध्यान में रखा गया है और ये तय किया गया है कि सामाजिक प्रगति के मामले में कौन सा राज्य किस स्तर पर है. रिपोर्ट में पुडुचेरी, लक्षद्वीप और गोवा को सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला राज्य बताया गया है. वहीं बिहार और झारखंड सबसे पीछे है. सामाजिक प्रगति सूचकांक एक रिपोर्ट है, जिसमें देश के सभी राज्यों के प्रदर्शन को आंका जाता है. यह आकलन तीन बुनियादी मानवीय जरूरतों, बेहतर जीवनशैली के आधार और अवसरों के लिहाज से किया जाता है. इस सूचकांक को

तैयार करते वक्त सर्वे कर पता लगाया जाता है कि किन राज्यों में पोषण और स्वास्थ्य देखभाल, जल और स्वच्छता, व्यक्तिगत सुरक्षा और रहने की स्थिति कैसी है. इस रिपोर्ट में 36 राज्यों एवं संघ-शासित प्रदेशों और देश के 707 जिलों को सामाजिक प्रगति के विभिन्न मानकों पर उनके प्रदर्शन के आधार पर आंका जाता है. एसपीआई स्कोर के आधार पर देश के सभी राज्यों और जिलों को सामाजिक प्रगति के छह स्तरों के तहत स्थान दिया गया है. ये 6 स्तर हैं बहुत उच्च सामाजिक प्रगति, उच्च सामाजिक प्रगति, ऊपरी मध्य सामाजिक प्रगति, निम्न मध्य सामाजिक प्रगति, निम्न सामाजिक प्रगति और बहुत कम सामाजिक प्रगति हैं. सर्वे के दौरान सभी राज्यों में रहने वालों के जीवन स्तर के मामले में मूल ज्ञान, सूचना तक पहुंच, संचार, स्वास्थ्य और पर्यावरण की गुणवत्ता भी देखी जाती है.

बहन ने कराई थी मुलाकात...1989 में हुई शादी

2 दशक पहले ही रश्मि ठाकरे ने देख लिया था उद्धव के सीएम बनने का सपना

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और महाविकास अघाडी के नेता उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे इन दिनों चर्चा में हैं. वह एक के बाद एक कई सियासी आयोजनों में हिस्सा लेती दिख रही हैं. सियासत के जानकारों का कहना है कि रश्मि की सूबे की राजनीति में औपचारिक एंट्री की जमीन तैयार की जा रही है. यदि ऐसा है तो महाराष्ट्र की राजनीति में एक और ठाकरे की एंट्री होने वाली है. रश्मि से पहले ठाकरे कुनबे से बालासाहब ठाकरे, उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे, आदित्य ठाकरे और अमित ठाकरे सक्रिय हैं ही. रश्मि ठाकरे महाराष्ट्र में एक प्रमुख व्यवसायी रही हैं. उद्धव ठाकरे से उनकी शादी साल 1989 में हुई थी. वह मुंबई स्थित कंपनी कोमो स्टॉक्स एंड प्रॉपर्टीज एलएलपी की निदेशक रही हैं. उनके बड़े बेटे आदित्य ने भी यही जिम्मेदारी संभाली. बहरहाल, रश्मि के पति, बड़ा बेटा और ससुर सभी राजनेता हैं. उनके ससुर स्वर्गीय बाला साहेब ठाकरे थे, जो शिवसेना पार्टी के संस्थापक भी थे.

ऐसे उद्धव ठाकरे की जीवन संगिनी बनी थीं रश्मि–साल 1987 में रश्मि ने जीवन बीमा निगम में कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी के तौर पर काम करना शुरू किया था. कहा जाता है कि इसी नौकरी के दौरान रश्मि ठाकरे की दोस्ती राज ठाकरे की बहन जयजयवंती से हो गई. वहीं, राज ठाकरे उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई हैं. राज की बहन ने ही उद्धव की मुलाकात रश्मि से करवाई थी. इसी तरह दोनों की

मुलाकात होने लगी. उसके बाद साल 1989 में उद्धव और रश्मि की शादी हुई. रश्मि को अपने बेटे आदित्य ठाकरे की राजनीतिक पारी शुरू करने का श्रेय भी ही दिया जाता है. शिवसेना के कुछ नेता कहते हैं कि, रश्मि अपनी पार्टी से अच्छी तरह वाकिफ हैं और पार्टी के कई नेताओं के बीच और यहां तक कि बाहर भी उन्हें संगठनात्मक सूत्र के रूप में देखा गया. यह भी कहा जाता है कि रश्मि ने ही बीजेपी-शिवसेना सरकार बनाने के मामले में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम के रूप में आदित्य के नाम पर जोर दिया था. एक बात यह भी है कि, साल 1999 में रश्मि ने चाहा था कि उद्धव मुख्यमंत्री बनें.

पति के साथ शुरू की थी चौरंग' एजेंसी–उद्धव से शादी के शुरुआती दो सालों तक रश्मि मातोश्री में नहीं रहीं. बल्कि उन शुरुआती सालों में, उद्धव ठाकरे ने चौरंग' नामक एक विज्ञापन एजेंसी शुरू की थी. कुछ सालों में यह खबरें आने लगीं कि 40 साल की उम्र में उद्धव को अपनी पत्नी से ही राजनीति में आने की प्रेरणा मिली. एक अंग्रेजी अखबार ने खबर छापी थी कि रश्मि चाहती थी कि अगर पार्टी सत्ता में लौटी तो उद्धव 1999 में राज्य की बागडोर संभालें.

..और फिर ख्वाहिश यूं हुई पूरी–पति उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री के रूप में देखने की रश्मि की ख्वाहिश 2019 में पूरी हुई. 29 नवंबर 2019 में शाम को 6.40 बजे उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. वह राज्य के 18वें मुख्यमंत्री बने. साथ ही वह ठाकरे परिवार से पहले सदस्य बने जो किसी संवैधानिक पद पर पहुंचे. तब से यह बातें होनी शुरू हो गईं कि उद्धव के मातोश्री से मंत्रालय तक के रास्ते में जितनी भूमिका शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के विधायकों की रही उससे कहीं ज्यादा उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे की रही. अब रश्मि ठाकरे के सियासत में उतरने की खबरें आ रही हैं. हालांकि, परिवार ने कभी यह बात नहीं कही है.

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ

शिवपुरी के कर्मचारी अपने नियमितीकरण को लेकर बैठे हड़ताल पर

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर शिवपुरी के हृदय स्थल माधव चौक से है जहां पर आज संविदा स्वास्थ्य कर्मी हड़ताल पर बैठ गए हैं उन्होंने बताया कि जब तक हम को परमानेंट नहीं किया जाएगा तब तक हम अपनी हड़ताल नहीं बंद करेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश में लगभग 32000 संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी कार्यरत है जो की विगत 1 से 20 वर्षों में लगातार कार्यरत है जिन्होंने कोरोना काल के दौरान भी अपनी जान हथेली पर रखकर लगातार स्वास्थ्य सेवाएं दी है जिसमें अपने कई साथियों को भी बोया है। मध्यप्रदेश शासन काल द्वारा संविदा कर्मचारियों के लिए केबिनेट में 5 जून 2018 की नीति सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी की गई थी जिसके अनुसार खेन सुवा कल्याण विभाग, महिला बाल विकास विभाग, राजस्व विभाग, पशुपालन विभाग, लोक सेवा प्रबंधन विभाग, स्थानीय निधि संपरीक्षा म.प्र. प्रकोष्ठ भोपाल आदि में लागू की जा चुकी है. परन्तु एन.एच.एम. के मंगिया कर्मचारियों पर आज दिनांक तक लागू नहीं की गई। निगत वर्ष 2021 में आंदोलन के दौरान एन. एस. एम द्वारा जारी पत्र क्र. एनएचएम एचलार/ 2021/8753 दिया गया था जिसमें कहा गया था कि जून के द्वितीय सप्ताह 2021 तक वित्त विभाग से अन्तिम निर्णय लेकर 5 जून 2018 की नीति लागू कराई जावेगी जो कि आज दिनांक तक लंबित है। हड़ताल पर बैठे संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि उनकी कुछ प्रमुख मांगे हैं जिनको प्रदेश सरकार माने और उनको परमानेंट करें उनकी शर्तों में उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में अभी एन एच एम के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को भी अन्य राज्यों की भांति नियमित किया जावे तथा नियमित की प्रक्रिया के प्रचलन में सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक सी 5-2/ 2018/1/1/3, 5 जून 2018 की नीति लागू कर उसके अनुसार नियमित कर्मचारियों की न्यूनतम 90त्न वेतन एवं अन्य सुविधाएं आज तक एरियर सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के समस्त संविदा कर्मचारियों को तत्काल आदेश करने का कष्ट करें एन एच एम सपोर्ट स्टाफ को आउटसोर्सिंग से हटाकर तत्काल एनएचएम में वापस लिया जाए तथा ब्लॉक लेखापाल मलेरिया एमपीडब्ल्यू व अप्रेजल से निष्कासित कर्मचारियों को तत्काल एनएचएम में वापस लिए जाएं जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती तब तक सभी संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी इसी तरह हड़ताल पर बैठे रहेंगे।

डीएलएफ देवरी प्रीमियर लीग सीजन 4 होगा 23 दिसंबर से शुरू

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर देवरी से है जहां पर आने वाली 23 दिसंबर से देवरी प्रीमियर लीग सीजन 4 का आयोजन कराया जा रहा है जिसमें प्रथम पुरस्कार. 51000 और ट्रॉफी रहेगी द्वितीय पुरस्कार 21000 और ट्रॉफी रहेगी मैन ऑफ द सीरीज में मोबाइल और ट्रॉफी दी जाएगी इस प्रीमियर लीग का आयोजन करने वाले हिर्देश शर्मा ने बताया कि आने वाली 23 दिसंबर से शहीद भगत सिंह स्टेडियम देवरी में देवरी प्रीमियर लीग सीजन 4 का आयोजन किया जाएगा इसकी एंट्री फीस मात्र 1100 रखी गई है प्रतियोगिता में प्रत्येक मैच 10 से 12 ओवर के होंगे मैच सीमेंट की पिच पर कराए जाएंगे एक खिलाड़ी एक ही टीम के लिए खेल पायेगा अंपायर का निर्णय ही मान्य रहेगा सेकंड राउंड के मैच ड्रॉ पर्ची के होंगे एलबीडब्ल्यू को छोड़कर सभी निर्णय मान्य होंगे प्रत्येक मैच लीबिया टेनिस बॉल से खेले जाएंगे प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया जाएगा इस पूरे ओपन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन लीजेंड्स क्रिकेट क्लब एवं यंग स्टार क्रिकेट क्लब और समस्त ग्राम वासियों की तरफ से कराया जा रहा है बहुत जल्द ही आपको रोचक मुकाबले देखने को मिलेंगे इसलिए आप भी यह प्रतियोगिता का हिस्सा बने

एक नजर...

मधुसुदनगढ़ मंडल में भाजपा की बैठक का हुआ आयोजन

रिपोर्टर -प्रतिश अग्रवाल
पुष्पांजलि टुडे

मधुसूदनगढ़। आज भारतीय जनता पार्टी की कामकाजी बैठक आगामी दिनों मे प्रदेश से जारी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर आयोजित की गई। जिसमें जिला के मंत्री एवं मंडल के प्रभारी डॉ हर ज्ञान सिंह गुर्जर ने बैठक की अध्यक्षता की। डॉ हरज्ञान सिंह गुर्जर ने शक्ति केंद्र, बूथ केंद्र, मंडल स्तर पर पार्टी द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा विस्तार पूर्वक भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं को समझाई। भारतीय जनता पार्टी के आगामी कार्यक्रम पर प्रभारियों की नियुक्तियां की गई। पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारीजी बाजपेयी के जन्मदिन को सुशासन दिवस के रूप में भव्य स्तर पर मनाये जाने हेतू रुप रेखा तय की गई। बैठक में कुंभराज से पधारे अनुसूचित जाति मंडल अध्यक्ष दीपक खटीक और अनुसूचित जनजाति मंडल अध्यक्ष उधम सिंह भील मंडल अध्यक्ष जगमोहन धाकड, जिला महामंत्री महिला मोर्चा संगीता अग्रवाल, नगर परिषद में उपाध्यक्ष वरिष्ठ भाजपा नेता कौशलेंद्र अग्रवाल, जिला मंत्री किसान मोर्चा सुनीत औदिच्य, मंडल महामंत्री मनोज अग्रवाल, किसान मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष राजेश मीना, बलवीर यादव, शिवराज जादौन, मोनू यादव, अभिमन्यु गुर्जर, गोलू सेलर, अभिषेक चंदेल दीपेश साहू आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दो विकासखंडों ने मिलकर निकाली सामूहिक रैली

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पिछोर। दो विकासखंड मिलकर खनियाधाना और पिछोर ने सामूहिक रैली निकाली सामूहिक रैली एसडीएम कार्यालय पर जाकर अनिश्चितकालीन हड़ताल का पिछोर एसडीएम बृजेंद्र यादव को ज्ञापन दिया तथा संविदा कर्मचारियों ने नियमितीकरण और जो संविदा कर्मी निकले गए उनको दोबारा से शामिल किया जाए और संविदा कर्मचारियों द्वारा बताया गया है कि प्रदेश की मुखिया शिवराज सिंह चौहान से निवेदन है कि जितनी जल्दी हो सके हमारी मांगों का विचार किया जाए और सभी को जल्द से जल्द परमानेंट किया जाए मध्य प्रदेश संविदा कर्मचारी अनुसूचित कालीन हड़ताल पर रहेंगे जब तक हमारी मांगे शासन नहीं करेगी आज नगर परिषद पिछोर में सामूहिक रैली निकाली गई जिसमें दो विकासखंड मिलजुल कर एसडीएम महोदय को ज्ञापन दिया और नियमितीकरण की मांग की।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा पठान मूवी को लेकर विरोध प्रदर्शन व पठान मूवी का पुतला दहन किया

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पिछोर। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा आज नगर परिषद पिछोर में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा पठान मूवी को लेकर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे साथ ही जोर-जोर से मुर्दाबाद के नारे लगाए गए एवं पठान मूवी का पुतला बनाकर पुतली का दहन किया गया इससे यह जाहिर होता है कि पठान मूवी को लेकर आक्रोश में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ता नजर आए व विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के अलावा नगर परिषद पिछोर के लोग भी आक्रोश नजर आए पठान मूवी को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया व तहसील कार्यालय जाकर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा तहसीलदार अखिलेश शर्मा के लिए ज्ञापन सौंपा।

थाना पिछोर पुलिस की कार्यवाही एक आरोपी के कब्जे से एक 315 बोर का देसी कट्टा तथा एक जिंदा राउंड बरामद किया

राकेश परिहार रिपोर्टर

पिछोर। पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल के द्वारा अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार भूरिया के निर्देशन में एवं एसडीओपी पिछोर दीपक तोमर के मार्गदर्शन में अवैध हथियारों की धरपकड़ में आज दिनांक 20.12. 2022 को थाना पिछोर पुलिस द्वारा एक आरोपी के कब्जे से एक 315 बोर का देसी कट्टा तथा एक जिंदा राउंड बरामद किया। यह है कि दिनांक 28.10.22 को फरियादी अजब सिंह पुत्र अतर सिंह लोधी ने थाना पिछोर पर रिपोर्ट दर्ज की थी कि मेरी बहन ग्राम नयागांव ढंगी में अनिल लोधी के साथ शादी की थी जिसकी अचानक दिनांक 27.10. 2022 को मृत्यु हो गई रिपोर्ट पर से मर्ग क्रमांक 102/22 धारा 174 जा.फौ. का कायम किया गया जिसकी जांच पर से आरोपी अनिल लोधी धनीराम लोधी रूप सिंह लोधी मंगल सिंह लोधी निवासी गण नया गांव ढंगी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 666/22 धारा 302, 498 ए 34 .201 भादवी का पंजीबद्ध किया गया जिसमें आरोपी अनिल लोधी धनीराम लोधी को गिरफ्तार कर जेआर पर पेश किया गया आरोपी रूप सिंह लोधी मंगल लोधी घटना दिनांक से फरार चल रहे थे जिसमें आज दिनांक को मुखबिर की सूचना पर से ग्राम डांगी में पंचायत भवन के पीछे नहर की पुलिया पर रात्रि करीबन 08.30 बजे आरोपी मंगल लोधी अवैध देसी कट्टा लगाए बैठा है जिसे पकड़ने हेतु टीम रवाना की गई थी में उनि, बीएल दोहरे प्रधान आरक्षक हिमांशु चतुर्वेदी, प्रधान आरक्षक हीरा सिंह, प्रधान आरक्षक, संतोष यादव, आरक्षक प्रदीप कौरव, आरक्षक मांगीलाल गुर्जर, आरक्षक देशराज गुर्जर , आरक्षक बचन सिंह तोमर के साथ मुखबिर सूचना की तस्दीक करने ढंगी पंचायत भवन के पीछे नहर की पुलिया पर पहुंचे तो आरोपी ने पुलिस की हरकत देख सतर्क हुआ आरोपी जब तक संभल पाता तब तक पुलिस के द्वारा दबोच लिया गया तभी उसके कमर में 315 बोर का देसी कट्टा जिसमें 01 जिंदा राउंड लगा मिला आरोपी की काफी दिनों से अपराध में तलाश थी जो आज दिनांक को गिरफ्तार किया गया थाना पिछोर पर अप क्रमांक 755 /22 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध किया गया आरोपी से पूछताछकर न्यायिक हिरासत में भेजा जावेगा। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक गब्बर सिंह गुर्जर, उनि, बी एल दोहरे प्रधान आरक्षक हिमांशु चतुर्वेदी, प्रधान आरक्षक हीरा सिंह, संतोष यादव, प्रधान आरक्षक घनश्याम सिंह, आरक्षक प्रदीप कोरव, आरक्षक मांगीलाल गुर्जर, आरक्षक देशराज गुर्जर, आरक्षक बचन सिंह तोमर, आरक्षक रवि कोरव की सराहनीय भूमिका रही।

प्रेरक स्वयं सेवी संस्था के तत्वावधान में विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय सम्मेलन का किया गया आयोजन

17 दिसम्बर 2022 को प्रेरक स्वयं सेवी संस्था गरियाबंद के तत्वावधान मे श्री रामगुलाम सिन्हा जी के मार्गदर्शन से विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय का सम्मेलन का आयोजन सामुदायिक भवन जनपद पंचायत गरियाबंद मे किया गया जिसमे शासन द्वारा मान्यता प्राप्त जैसे बिरहोर, बैगा, पांडो, अबुझमाड़िया, कमार, भुंजिया सामुदाय जिसकी स्थिति आज क्या है जो शासन के द्वारा विभिन्न विभिन्न योजना चला रही है, उसका लाभ कितना मिल रहा है, आज उनका जीवन शैली कैसे चल रही है, खेती के प्रति कितना जुड़ाव है उनका मुख्य व्यवसाय क्या है । इसके बारे मे उपस्थित समाज प्रमुख व उपस्थित समाज द्वारा गहन चर्चा चिन्तन मनन किया गया व भविष्य के लिए शासन से और जो संवेधानिक मांग है जिसे माननीय राज्यपाल महोदया से मांग करने की बात कही गई।

कार्यक्रम का सुरुवात करने के पहले छ.ग. महतारी के छाया चित्र पर पूजा अर्चना कर एवं छ.ग. राज्यकीय गीत का गायन कर किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री मति लोकेश्लरी नेताम माननीय सभापति कृषि जिला पंचायत गरियाबंद, श्रीमति लालिमा ठाकुर माननीय अध्यक्ष जनपद पंचायत गरियाबंद व जनजाति सामुदाय से श्री टीकमसिंह नागवंशी भुजिया समाज, समाज प्रमुख उपस्थित थे संस्था कार्यकर्ता श्री रामगुलाल सिन्हा, लिलेश मरकाम, महेंद्र परस, लुकेश्वरी नागेश, रामेश्वरी सोरी, कोमल साहू, रोहिदास यादव, दिनेश साहू, श्री पति दीवान, राहुल खत्री, रामेश्वर कपिल, जागेश्वर मरकाम, भुपेश्वरी यादव, पुर्णिमा, हेमलता नेताम, तिलोत्तमा नेताम, श्याम बाई यादव, मकरध्वज पटेल, गिरेश्वर पटेल एवं यशोदा, भुनेश्वरी, भोज और आदि साथी का सहयोग रहा।

ए.एन.एम.और एम.पी.डब्ल्यू की समस्याओं का निराकरण के लिए दिया सी.एम.एच.ओ.को ज्ञापन

सीएमएचओ हमारी समस्याओं का निराकरण जल्द से जल्द करें जिला अध्यक्ष ऋतु श्रीवास्तव

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर स्वास्थ विभाग से है जहां पर आज सभी स्वास्थ्य विभाग की नर्सों ने अपने साथ में हो रहे समस्याओं का निराकरण करने के लिए सीएमएचओ को ज्ञापन सौंपा है और ज्ञापन में अपनी समस्याएं बताते हुए उन्होंने बताया कि ए.एन.एम./ एम.पी. डब्ल्यू की वेतन विसंगती दूर करते हुये 3200 रूपये ग्रेड पे दिया जावे ।

ए.एन.एम. को पूर्व की भांति नर्सिंग केडर में सम्मिलित किया-जाये।ए.एन.एम. / एम.पी. डब्ल्यू को ग्रामीण भत्ता तथा जोखिम भत्ता दिया जाये। ए.एन.एम. / एम.पी.डब्ल्यू. को टी.ए./डी.ए. का निर्धारण कर एक मुश्त 3000/- रूपये प्रतिमाह वेतन के साथ प्रदान किया जाये। वेतनमान के अनुसार ए.एन.एम. / एम. पी. डब्ल्यू को सांतवे ग्रहमाडा भत्ता (एचआरए) प्रदान किया जाये । ए.एन.एम. विहीन उप स्वास्थ्य केन्द्रों में सी. एच.ओ. को ए.एन.एम. का संपूर्ण चार्ज देकर ए.एन.एम. का संपूर्ण कार्य कराया जाये। ए.एन.एम. / एम. पी. डब्ल्यू द्वारा आरंभ से ही 25 प्रकार का राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संपदान किया जा रहा है जिसमें बी. एच. अण्डी गर्भवती महिला के पंजीयन से लेकर हाई रिक्स का चिन्हांकन , टीकाकरण एचबी.एन.सी. तक की सेवायें प्रदान की जा रही है कुपोषण, ऐनीमिया एन.सी.डी. कोविड 19 टीकाकरण में ए.एन.एम. / एम.पी.डब्ल्यू. द्वारा अहिम भूमिका निभाई गई लेकिन ए.एन.एम. / एम.पी.डब्ल्यू. को किसी भी प्रकार की प्रोत्साहन राशि नहीं दी गई अतः निवेदन है कि सी.एच.ओ. के समान प्रोत्साहन राशि ए. एन. एम./एम.पी.डब्ल्यू को प्रोत्साहन राशि रूपये 15000/- रूपये प्रतिमाह प्रदान की जाये । शासन के निर्देशानुसार पत्र क्रमांक / टीकाकारण / 2022 / 1247,भोपाल दिनांक 11.11.2022 मीजल्स रूवेला निर्मूलन हेतु विशेष केचप चरण माह नवम्बर एवं दिसम्बर 2022 आयोजित किये जाने के आदेश दिये गये है जिसमें सी.एच.ओ. का शासन द्वारा निर्देश दिये गये है कि एएन.एम. सहितं उप स्वास्थ्य केन्द्र पद स्थापित सी.एचओ के माध्यम से टीकारण सत्र आयोजित कराये जाये । किन्तु सी. एच.ओ. द्वारा शासन की आदेशों को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दबाव बनाकर एएनएम से कार्य कराया जा रहा है दूसरे क्षेत्र की एएनएम को बुलाकर कार्य कराया जा रहा है जो कि शासन के निर्देशों की घोर अव्हेलना है। ए.सी.डी. का कार्य सी. एच.ओ. द्वारा संपादित कराया जाये क्योंकि सी.एच.ओ. की नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य एन.सी.डी. है। चूंकि गर्भवती महिला की तीसरी एवं चौथी जांच सीएच.ओ. को करनी है अतः उनके द्वारा ही इन जांचों को अनमोल ऐप पर इन्ट्री करने के आदेश जारी किये जाये। क्योंकि ऐसा न होने की स्थिति में पोर्टल पर तृतीय व चौथी जांच प्रदर्शित नहीं होगी जिसकी संपूर्ण जबावदेही सीएचओ की होगी। किसी भी अन्य आईजेन्टीपाईट हाईरिक्स गर्भवती महिला का केश सामने आने पर इसका जवाब सी.एचओ से ही मांगा जाये. क्योंकि इसके लिये सी. एच.ओ. ही जवाबदेह है। जबकि अभी ऐसे मामलों में ए एन.एम. को कारण बताओ नोटिस दिया जाता है। जो कि अनुचित है। एचडब्ल्यू.सी. मंथली रिपोर्टिंग फॉरमेट फोर परफोरमेन्स वेस्ट इन्सेंटिब में ए.एन.एम. / एम.पी. डब्ल्यू द्वारा हस्ताक्षर किया जाना है पर जब से सी.एचओ की नियुक्ति हुई है तब से आज तक वह मंथली रिपोटिंग फॉरमेट बिना ए.एन.एम. / एम.पी.डब्ल्यू. के हस्ताक्षर के भेजा जा रहा है जो कि अनुचित है अतः इस फॉरमेट पर ए.एन.एम. / एम.पी.डब्ल्यू. बिना हस्ताक्षर किये इसे स्वीकार न किया जाये।शासन के सभी प्रकार के आदेश व्हाट्सऐप पर ही प्राप्त होते है और कुछ तो ऐसे होते जो ड्यूटी करने के समय से एक घंटे पहले ही आते है. हम कर्मचारी जनसमुदाय के स्वास्थ्य हित में एवं विभाग के आदेश के पालन में इनको भी तत्परता से स्वीकार करते है परन्तु यह बहुत ही दुखद एवं निराशाजनक है कि जब किसी भी कर्मचारी को किसी कारणवश अपरिहार्य कारणों से आकस्मिक अवकाश की आवश्यकता पड़ती है तब हमारे ही अधिकारी उसको स्वीकार नहीं करते है। जिससे कर्मचारी खुद को बहुत ही शोषित एवं पीडित महसूस कर रहा है।

शैक्षणिक गतिविधि अंतर्गत छात्रों ने किया पालडोंगरी आईटीआई का भ्रमण

रितेश कटरे ब्युरो चीफ
पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

बालाघाट। जिले के विकासखंड लांजी में अनेकों ऐसे स्थान हैं जहां पर भ्रमण कर छात्र छात्राएं शिक्षा के स्तर में सुधार हेतु जानकारियां एकत्रित कर सकते हैं। लांजी में पर्यटन के दृष्टिकोण से प्राकृतिक और एतिहासिक धरोहरों के अलावा धार्मिक स्थल और सांस्कृतिक लोक कलाएं लांजी की भूमि में विद्यमान है। जंहा पर अनेकों शैक्षणिक संस्थान से बच्चे आकर अपनी शक्ति अनुसार जानकारी इकठ्ठा कर सकते हैं। इसी कड़ी में नगर के शास. उत्कृष्ट उच्च. मा. विद्यालय लांजी की कक्षा 10 वीं के आई टी व्यवसाय के विद्यार्थीयो ने 21 दिसंबर को शासकीय औधोगिक प्रशिक्षण संस्थान पालडोंगरी का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थीयों ने आई टी आई के विभिन्न व्यवसाय जिनमें विद्युतकार, फिटर, वेलडर ,मोटर मैकेनिक व्हीकल, स्टेनोग्राफर हिन्दी, कोपा व्यवसायों के कार्यशाला का अवलोकन कर संस्थान में सिखाएं जा रहे कार्यों जैसे वायरीग,

वेलडीग, कटिंग, फाईलींग आदि का प्रत्यक्ष अनुभव लिया गया। वेल्डर के प्रशिक्षण अधिकारी आशीष ठाकुर ने वेल्डींग के प्रकार और वेल्डर व्यवसाय के दिनो दिन बढते महत्व को बतायाड़ आईटी लेब मे सभी विधार्थियों ने कम्प्युटर पर कार्य किया और कोपा व्यसाय के प्रशिक्षण अधिकारी जालेन्द्र राणे ने सभी को कम्प्युटर और आइटी के बारे में विस्तार से सैद्धांतिक और प्रायोगिक रूप से समझाया। इस अवसर पर उत्कृष्ट हाई स्कूल लांजी से आई टी प्रभारी किरन कुमार महारवाडे, शिक्षक चन्द्रशेखर दुरूगकर विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे। आईटीआई संस्था के प्राचार्य सेवक राम कुसराम ने सभी विद्यार्थियों को अच्छे से पढाई कर भविष्य में आई टी आई मे प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया। संस्था के विधुतकार व्यवसाय के प्रशिक्षण अधिकारी अशोक कुमार नागदेवे ने विधार्थीयों को आई टी आई का भ्रमण कराकर आई टी आई मे कैरियर का अवसर बताते हुए कैरियर्स गाइडेंस भी किया। इस दौरान संस्था से सजय जंघेला, आशीष पटेल, आदर्श पटले, सौमित्र मुरकुटे, दिनेश मेरावी, अनिता मेरावी आदि प्रशिक्षण अधिकारी उपस्थित रहें।

राज्य युवा नीति के निर्माण हेतु छत्रसाल महाविद्यालय में परिचर्चा का आयोजन

पुष्पांजलि टुडे से जिला ब्यूरो चीफ हरिचरण प्रजापति

पन्ना। मध्यप्रदेश शासन द्वारा राज्य युवा नीति के निर्माण हेतु मध्य प्रदेश के युवाओं से सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं। इसी आदेश के परिपालन में छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कला और विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के लिए वृहत परिचर्चा का आयोजन प्राचार्य डॉ एच एस शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। कला संकाय में इस परिचर्चा का विषय था राज्य युवा नीति विविध आयाम। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ उषा मिश्रा ने की। कला एवं विज्ञान संकाय में आयोजित इस परिचर्चा में लगभग 120 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ उमा त्रिपाठी, डॉ एसएस राठौर, डॉ एस पी एस परमार, डॉ पी पी मिश्रा, डॉ मनोरमा गुप्ता, डॉ एसके पटेल, डॉ शिवगोपाल सिंह, डॉक्टर ऋषभदेव साकेत, डॉक्टर श्वेता ताम्रकार ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के संयोजक डॉ विनय श्रीवास्तव थे। परिचर्चा में विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र जयहिंद सिंह राजपूत ने दूरस्थ पर्यटन स्थलों पर लैंग्वेज और गाइडिंग स्किल सिखाई जाने, एनसीसी और एनएसएस के छात्रों को सरकारी नौकरियों में वेटेज देने, ईडब्ल्यूएस वालों को भी कोचिंग हेतु स्कॉलरशिप देने, विभिन्न सरकारी नौकरियों की भर्ती एक निश्चित अंतराल पर निकाली जाने का सुझाव दिया। गयाप्रसाद चौधरी ने स्वरोजगार को बढ़ावा देने हेतु सुझाव व्यक्त किया। संजय सिंघानिया ने युवाओं में एक ऐसा वातावरण विकसित करने हेतु आव्हान किया, जिसमें युवा बिना किसी झिझक और शर्म के अपना रोजगार प्रारंभ कर सके। राहुल सिंगरौल ने प्राध्यापकों की प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। साक्षी बोहट ने समावेशी एवं समतामूलक शिक्षा हेतु व्याप्त कुरीतियों एवं भेदभाव को समाप्त करने हेतु सुझाव व्यक्त किए। अनामिका त्रिपाठी ने स्थानीय युवाओं की कला पेंटिंग को बढ़ावा देने हेतु सुझाव व्यक्त किया। महाविद्यालय के श्रेष्ठ वक्ता हरिओम सक्सेना ने कहा कि प्रत्येक जिले को तैराकी के खेल में एक प्रशिक्षण केंद्र खोले जाने, स्कूलों एवं महाविद्यालयों में युवाओं द्वारा

बनाए हुए फूड स्टॉल या अन्य पदार्थों के स्टॉल (विद्यार्थी नवाचार मेला) हर 2 माह में लगाए जाएं, इससे युवाओं के अंदर रोजगार शुरू करने में झिझक समाप्त होगी। इस अवसर पर कला और विज्ञान संकाय के अनेक विद्यार्थियों ने राज्य युवा नीति के निर्माण में अपने सुझाव दिए। विनय विश्वकर्मा, रक्षा अर्जरिया, प्रियंका बघेल जय प्रकाश चौधरी, ईश्वरदीन पाल, चंद्रपाल सिंह राजपूत एवं अन्य विद्यार्थियों ने भी अपने अपने सुझाव व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर विनय श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

ग्राम सदका में भगवान विश्वकर्मा सेवा समिति द्वारा आदर्श कन्या विवाह सम्मेलन के लिए बैठक संपन्न हुई

पवन विश्वकर्मा पुष्पांजलि टुडे

श्री कालीचरण विश्वकर्मा अध्यक्ष के द्वारा संपन्न हुई जिसमें उपस्थित दिनेश विश्वकर्मा खिरिया प्रेम नारायण विश्वकर्मा ततारपुर पातीराम विश्वकर्मा भांडेर शशिकांत विश्वकर्मा भांडेर कल्लू विश्वकर्मा भांडेर जगत राम विश्वकर्मा महोना जाट धर्मेंद्र विश्वकर्मा भितरवार हरबिलास विश्वकर्मा भांडेर वीरेंद्र विश्वकर्माबिलहेटी अशोक विश्वकर्मा बिलहेटी लीलाधर विश्वकर्मा महोना जाट रामजी लाल विश्वकर्मा बिलहेटी हरिओम विश्वकर्मा बहादुरपुर छोटे लाल विश्वकर्मा बिलहेटी राहुल विश्वकर्मा सोप्ता तथा क्षेत्र वासी उपस्थित हुए और सम्मेलन के बारे में चर्चा हुई जिसमें 5 मई का आदर्श कन्या विवाह सम्मेलन रखा गया।

द्वितीय चरण के तहत बच्चों को दूसरी डोज लगवाकर टीकाकरण अवश्य कराएं

पुष्पांजली टुडे

दमोह। खसरा और रूबेला जैसी जीवन घातक बीमारी से बचाव के लिए एम.आर. (खसरा-रूबेला) का टीका दिया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वाथ्य अधिकारी डॉ संगीता त्रिवेदी ने बताया 9 माह से 5 वर्ष आयु तक के बच्चों को एमआर अभियान द्वितीय चरण, एम.आर. (खसरा-रूबेला) टीकाकरण के तहत बच्चों को दूसरी डोज लगाने का कार्य किया जा रहा है। एम.आर. टीका सुरक्षित और उपयोगी टीका है दुनिया भर में हर वर्ष लाखों बच्चों की जान बचाई जाती है । यह टीका बच्चों कि सेहत के लिए फायदेमंद है इसलिए यह टीका सब बच्चों को लगवाने कि सलाह दी गयी जिससे वह सुरक्षित रह सके। टीकाकरण के लिए उपयोग में लाई जाने वाली (ए.डी.) सिरेंज केवल एक बार में ही उपयोग में लाई जाती हैएवं कोल्ड चैन द्वारा उचित तापमान बना रहे उस पर रखा जाता है जब तक बच्चे को टीका ना लग जाए। डॉ. त्रिवेदी ने आमजन से कहा है 14 फरवरी 2022 तक जन्मे 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को मीजल्स रूबैल्ला से सुरक्षित करने के लिए एम आर का टीका जरूर लगाएं। प्राइमरी स्कूल, प्ले स्कूल, किंडर गार्डन, अन्य स्कूलों जहां 9 माह से 5 वर्ष के बच्चे पंजीकृत हैं एवं इस आयु वर्ग में आने वाले अन्य बच्चे किसी वजह से एम आर का टीका नहीं लग पाया है, 19 से 24 दिसंबर दौरान चलाए जा रहे एमआर अभियान के द्वितीय चरण में एम आर टीका से वंचित 9 माह से 5 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण अवश्य कराएं। आपको ज्ञात हो कि 14 नवम्बर से 19 नवंबर के दौरान अभियान का प्रथम चरण चलाया गया था इसी के बाद एमआर का टीका लगाए गए सभी बच्चों को दूसरी खुराक देने का कार्य किया जा रहा है, एमआर से जो भी बच्चे वंचित रह गए थे उनका टीकाकरण करने का कार्य अभी किया जा रहा है।

जन अभियान परिषद के निर्देश पर कान्हा शांति वनम कार्यशाला प्रारंभ

पथरिया विकासखंड की चयनित नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि हुये शामिल

दमोह/ पथरिया। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जन अभियान परिषद द्वारा नवांकुर समितियों के प्रतिनिधियों एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के परामर्शदाताओं के पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन हार्टफुलनेस सेंटर कान्हा शांति वनम हैदराबाद में किया जा रहा है। जिसमें पथरिया विकासखंड से चयनित नवांकुर संस्था अमरदीप जन जागरण विकास समिति सूखा सेक्टर किन्द्राहो, धरातल जन कल्याण विकास समिति सेक्टर पथरिया, नेहरू युवा नवजागृति नवयुवक मंडल बांसा कला सेक्टर किशुनगंज, छात्र सर्व कल्याण समिति सेक्टर सदगुंवा, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति हरद्वानी सेक्टर नरसिंहगढ़ के पदाधिकारियों एवं परामर्शदाताओं की उपस्थिति है। जिला समन्वयक सुशील कुमार नामदेव ने बताया कि पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में समाज सेवा से जुड़े लोगों को उनके व्यक्तित्व व कार्य करने के हुनर को किस तरह विकसित किया किया जाए,कैसे मन को सकारात्मक सोच की दिशा में लाया जाए।

ईगो, अहंकार, अहम् बहुत तेजी से पनप रहा है

ईगो, अहंकार, अहम् सभी का मतलब सामान अर्थात पर्यायवाची है लेकिन बोलने में अलग अलग है जहाँ पर भी रहेगा पर परिणाम एक ही निकलता है बर्बादी अथवा विनाश सुनिश्चित है यह कभी भी और किसी भी समय पनप सकता है जिस किसी के जीवन में ईगो,अहंकार,अहम् है वह व्यक्ति कभी भी सुखी जीवन नहीं जी सकता, भारत के अंदर आज के समय में ईगो, अहंकार, अहम् बहुत तेजी से पनप रहा है जरा जरा सी बात पर बाद विवाद होना तो एक आम चलन सा बन गया है यही कारण है की देश के अंदर हत्याएं बड़ती जा रही है परिवारों के बीच खुशहाली तो बिल्कुल खत्म ही होती जा रही है एक दूसरे को बड़ता हुआ भी देखना न गुजार लगता है यही वो कारण है की गरीबी बड़ती जा रही है। करना क्या चाहिए तो हम जापान से बहुत कुछ सीख सकते है जापान में दो गाड़ियों के एक्सीडेंट (टकराने) से कभी भी कोई झगड़ता नहीं है बल्कि एक दूसरे से सॉरी बोलकर आगे बड़ते है जबकि भारत के अंदर झगड़ा शरू करने लगते है और किसी न किसी को जनहानि जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है इसलिए क्षमा और सॉरी कहना सीख ले यदि जीवन को स्वर्ग जैसा बनाना चाहते हो तो वरना आपकी जिंदगी आपके हाँथ में है। जैन समाज के अंदर क्षमा याचना का एक रिवाज है यह कोई नया रिवाज नहीं है लेकिन हम लोग अपने पुराने रिवाजो को भूलकर हॉलीवुड कल्चर को अपनाते जा रहे है जिसमे मारधाड़ के अलावा और कुछ भी नहीं है। छमा बड़न को चाहिये, छोटन को उतपात। कह रहीम हरि का घट्यौ, जो भृगु मारी लात। बड़ों को क्षमा शोभा देती है और छोटों को उत्पात (बदमाशी)। अर्थात् अगर छोटे बदमाशी करें कोई बड़ी बात नहीं और बड़ों को इस बात पर क्षमा कर देना चाहिए।

मित्रता श्री कृष्ण और सुदामा की तरह करोः कथा वाचक किशोरी वैष्णवी गर्ग

सुदामा कि मित्रता की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रोता

पुष्पांजली टुडे

दमोह। दमोह के विवेकानंद नगर में टावर के पास चल रही श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन कथा वाचक किशोरी वैष्णवी गर्ग ने सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि अगर मित्रता करनी हो तो श्री कृष्ण और सुदामा की तरह करो क्योंकि सुदामा के आने की खबर मिलते ही श्री कृष्ण जी दरवाजा तक दौड़ते हुए उन्हें लेने गए थे। पानी परात को हाथ छूओ नहीं, नैनन के जल से पग धोए ,अर्थात श्री कृष्ण ने सुदामा जी के नेत्रों के जल से पैर धोए, आधुनिक युग में स्वार्थ के लिए एक दूसरे के साथ मित्रता करते हैं और काम निकल जाने पर वो उन्हें भूल जाते हैं इसलिए जीवन में एक प्रत्येक प्राणी को परमात्मा से एक रिश्ता जरूर बनाना चाहिए ,भगवान से बनाया गया रिश्ता जीव को मोक्ष की ओर ले जाता है ,उन्होंने यह भी कहा कि स्वाभिमानी सुदामा ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सखा श्री कृष्ण का चिंतन और स्मरण नहीं छोड़ा इसके फलस्वरूप कृष्णा ने सुदामा को परम पद प्रदान किया। सुदामा चरित्र की कथा का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए, कृष्ण सुदामा मिलन की सजीव झांकी का प्रस्तुतीकरण दिया गया उन्होंने बताया कि भागवत कथा सुनने से मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है कथा को के सुनने आसपास के गांवों से भी श्रद्धालु पहुंचे। आयोजकों द्वारा बताया कि भागवत कथा सुनने यहां दूर-दूर से लोग पहुंच रहे हैं एवं भागवत कथा सुनकर उसे अपने जीवन में उतारने का संकल्प ले रहे हैं, भागवत कथा शुरू होने के पहले ही भक्तों की भीड़ जुटने लगती है। पंडित नर्मदा प्रसाद गर्ग ने बताया कि आज हवन पूजन एवं प्रसादी वितरण किया जाएगा। कथा श्रोता ,श्रीमती आशा, प्रकाश चंद्र गुप्ता, राधारानी असाटी, श्रीमती प्रभा आनंद मोहन नायक, सुमन नामदेव, आकाश नामदेव, वर्षा अठ्या, सुहाग रानी आदि सहित बडी संख्या में भक्तो की उपस्थिति रही।

राष्ट्रपति के नाम थाना प्रभारी को दिया ज्ञापन

सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने पर सड़कों पर उतरा जैन समाज

पहलवान सिंह राजावत
मालनपूर संवाददाता
पुष्पांजलि टुडे

मालनपुर। झारखंड प्रदेश के गिरिडीह जिले में स्थित सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध में बुधवार को 21 दिसंबर महावीर स्वामी दिगंबर जैन मंदिर ने नेशनल हाईवे से लेकर सब्जी मंडी मुख्य बाजार से मनहार होटल होते हुए मालनपुर थाने तक वहां जैन समुदाय ने थाना प्रभारी मालनपुर विनोद बिनायक करकरे को महामहिम राष्टपति श्रीमती द्रौपदी मूर्मू भारत देश के नाम 5 सूत्री मागौ को लेकर जैन समाज मंडल अध्यक्ष राहुल जैन व राजेंद्र जैन ने सामूहिक जैन समाज के समक्ष होकर ज्ञापन सौंपा गया जिसमें कहा गया है कि देश में झारखंड सरकार द्वारा जो पर्यटन घोषित किया है उसका हम सभी समुदाय के लोग विरोध करते हैं क्योंकि 20जैन तीर्थ कारो और अनंत संतों का मोक्ष है श्री सम्मेद शिखरजी पारसनाथ पर्वत राज जी झारखंड की स्वतंत्र पहचान पवित्रता का स्थल है पर्यटन घोषित होने से पारसनाथ पर्वत राज मधुबन को मांस मदिरा बिक्री मुक्त पवित्र जैन तीर्थ स्थल है इसको इसी नाम से घोषित रहना चाहीए जोकि पर्यटन के नाम पर ऐसा होने से वहां देश विदेश के पर्यटन अपने और वहां के वातावरण को दूषित करेंगे हम सब लोग जैन समाज समुदाय विरोध करते हैं आज मा प्रातः 11ः00 से जैन समाज के बच्चे वृद्ध महिलाएं एवं युवाओं ने सैकड़ों की संख्या में एकजुट होकर रोड पर निकल पड़े सभी अपने-अपने प्रस्थान दुकान है आज बंद रखें ज्ञात रहे कि इस बंद का आह्वान देशव्यापी था जिन्होंने पुलिस थाना प्रभारी को1 दिन पूर्व सूचना देकर अवगत करा दिया था कि 21 दिसंबर को बाजार बंद रखेंगे जिसमें मौजूद रहे मंडल अध्यक्ष राहुल जैन पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र जैन मालनपुर नगर वार्ड पार्षद बीना जैन, विनय जैन, राजेंद्र जैन, रोकी जैन, विनोद जैन, सुरेश जैन आनंद जैन, अभिषेक जैन, शांता कुमार जैन, धर्मेंद्र जैन अमित जैन अंकित जैन, राकेश जैन, एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता कांग्रेस परमाल सिंह तोमर मुख्य रूप से उपस्थित रहे वं आदि जैन समाज महिलाएं बच्चे बुजुर्ग सभी सम्मिलित रहे।

स्थानीय परेड ग्राउंड पर बागेश्वर धाम सरकार की कथा कि तैयारियां अंतिम चरणों में

पुष्पांजली टुडे

दमोह। शहर के होमगार्ड ग्राउंड पर आगामी 24 तारीख को होने वाली राम कथा के लिए संपूर्ण तैयारियां अंतिम चरणों में है जिसकी जानकारी कथा संयोजक अजय टंडन विधायक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी कों दी एवं उन्होंने समस्त धर्म प्रेमी बंधुओ कों जानकारी देते हुये बताया कि पीठाधीश्वर बागेश्वर धाम सरकार श्री श्री 1008 पंडित शास्त्री जी कि श्री राम कथा में उनके पधारने की अनुमति उनसे मिल गयी है उन्होंने बताया कि कथा दिनांक 24 तारीख से 1 जनवरी 2023 तक स्थानीय होमगार्ड ग्राउंड पर होगी और यह हम सब के लिए बड़े सौभाग्य कि बात है कि पंडित धीरज शास्त्री के मुखारविंद से कथा सुनने का धर्म लाभ हम सभी को मिल रहा है।कथा कि व्यवस्थाओं की प्रारंभिक तैयारियां अजय टंडन संयोजक एवं बागेश्वर धाम शिष्य मंडल द्वारा पूर्ण कर ली गई है उन्होंने बताया कि कथा स्थल पर पंडाल के नीचे लाखों लोगों के बैठने की व्यवस्था,पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है कथा प्रांगण में महिलाओं, बुजुर्गो एवं विकलांग लोगो के बैठने के लिए अलग से व्यवस्था की गई है ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों के लिए किसी प्रकार कि दिक्कत ना हो इसका हम सभी कि ओर से विशेष ध्यान दिया जा रहा। प्रदेश भर से आने वाले साधु संतों के रुकने के लिए शहर के रामकुमार स्कूल में व्यवस्था की गई है जहाँ उनके ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था रहेगी।समिति द्वारा बताया गया हजारों कि संख्या में उनके वालेंटियर व्यवस्थाओं कों संभालेंगे जिससे किसी प्रकार कि किसी कों परेशानी ना हो। प्रेस वार्ता के माध्यम से उन्होंने बताया कि रामकथा के पहले दिन सबसे पहले कलश यात्रा निकाली जाएंगी जो शहर के घंटाघर के पास आशीर्वाद गार्डन से प्रारम्भ होकर शहर के मुख्य मार्गो से होती हुई कथा स्थल पहुंचेगी उन्होंने यह भी बताया कि शोभायात्रा में हाथी, घोड़े,बग्गियां,भजन मंडलियां,भजन गायन, अखाड़े अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए कलश यात्रा को शोभायमान करेंगे। समिति के सदस्यों द्वारा बताया गया कि कलश यात्रा में हजारों की संख्या में माताएं बहने सम्मिलित होगी एवं प्रेस के माध्यम से अनुरोध किया कि भक्त लोग ज्यादा से ज्यादा संख्या में कथा स्थल प्रभु के मुख से रामकथा कों सुने एवं कलश यात्रा में शामिल होकर धर्म लाभ लेवे।

सम्पादकीय

बायोडायवर्सिटी पर अच्छी डील

संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन या कॉप 15 में 196 देशों के समझौते की एक अच्छी बात यह है कि सभी लक्ष्यों का स्वरूप वैश्विक ही रखा गया है। समझौते के तहत अलग-अलग देश अपनी परिस्थितियों, प्राथमिकताओं और क्षमताओं के अनुरूप उसे अपनाने और उस पर अमल करने के लिए स्वतंत्र होंगे। संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन या कॉप 15 में 196 देशों का इस बात पर राजी होना सचमुच बड़ी बात है कि साल 2030 तक पृथ्वी के 30 फीसदी हिस्से को प्रकृति के लिए संरक्षित कर दिया जाएगा। दुनिया भर में दी जा रही उन सब्सिडी में सालाना 500 अरब डॉलर की कमी लाई जाएगी, जो पर्यावरण के लिहाज से नुकसानदेह हैं और कम से कम 30 फीसदी ऐसे इलाकों को फिर से दुरुस्त किया जाएगा, जिनका इकोसिस्टम खराब हो चुका है। इस समझौते से उत्साहित कुछ विशेषज्ञ इसे जैव विविधता का पैरिस मोमेंट बता रहे हैं। निश्चित रूप से क्लाइमेट चेंज से कम बड़ा मुद्दा नहीं है जैव विविधता का। दोनों पर्यावरण को हो रहे नुकसान से सीधे तौर पर जुड़े हैं। हालांकि यह समझौता होना जितना अहम है, उतना ही मुश्किल है इस पर अमल सुनिश्चित करना। उदाहरण के लिए, पृथ्वी के 30 फीसदी हिस्से को संरक्षित करने को ही लिया जाए तो आज की तारीख में महज 17 फीसदी हिस्सा ही प्रकृति के लिए संरक्षित है। अगले सात वर्षों में इसे बढ़ाकर 30 फीसदी तक ले जाने के लिए विभिन्न सरकारों को नीतियों और विकास परियोजनाओं के स्वरूप और उसकी गति के स्तर पर कई तरह के ऐसे बदलाव करने पड़ेंगे, जो उनके लिए आसान तो बिलकुल नहीं हैं। इन बदलावों की अपनी आर्थिक कीमत भी है। इस लिहाज से एक बड़ी अड़चन यह है कि सम्मेलन में भारत सहित विकासशील और गरीब देशों की ओर से की जा रही नए फंड की मांग उस रूप में पूरी नहीं हो सकी जैसी कि उम्मीद की जा रही थी। समझौते के मुताबिक, फिलहाल संयुक्त राष्ट्र के मौजूदा बायोडायवर्सिटी फाइनैंसिंग फंड के ही तहत कुछ रकम जुटाई जाएगी। अलग फंड के मुद्दे पर अगले सम्मेलन में विचार किया जाएगा। मौजूदा विश्व की पर्यावरण चिंताओं का यह एक दिलचस्प पहलू है कि अमीर और विकसित देश कार्बन उत्सर्जन पर चिंता जताने और पर्यावरण सुधारने की जरूरत बताने में तो आगे रहते हैं लेकिन जब इसके लिए ठोस आर्थिक योगदान करने की बात आती है तो टालमटोल की मुद्रा में आ जाते हैं। बहरहाल, इस समझौते की एक अच्छी बात यह है जिसे भारत के हस्तक्षेप का परिणाम बताया जा रहा है कि सभी लक्ष्यों का स्वरूप वैश्विक ही रखा गया है। विभिन्न देश अपनी परिस्थितियों, प्राथमिकताओं और क्षमताओं के अनुरूप उसे अपनाने और उस पर अमल करने के लिए स्वतंत्र होंगे। पहली नजर में लग सकता है कि अलग-अलग देशों का कोटा तय न होने के कारण इन पर अमल अपेक्षा से धीमा होगा, लेकिन प्रतिबद्धताएं कागजी न रह जाएं, इसके लिए इसके स्वरूप में यह लचीलापन जरूरी था। हालांकि इन सबके बावजूद समझौते पर वास्तव में किस हद तक अमल होता है यह समय ही बताएगा, लेकिन पर्यावरण से जुड़ी चिंताएं हमारी प्राथमिकता में लगातार ऊपर उठ रही हैं और यही चीज भविष्य के लिए उम्मीद जगाती है।

राशिफल

वृष-आज व्यावसायिक कार्यों के लिए विशेष सफलता का समय है। कुछ ?ास करने के लिए दिन बेहतर है। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे आप बखूबी निभाएंगे।धन का आगमन हो सकता है। जाँब में परिवर्तन की तरफ अग्रसर होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन-नए बिजनेस प्रोजेक्ट की तरफ बड़ सकते हैं। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। एक-दूसरे का नजरिया समझकर व्यक्तिगत समस्याएं सुलझाएं। युवाओं की लवलाइफ बेहतर रहेगी। आज काम में आपका मन नहीं लगेगा। मन की एकाग्रता पर ध्यान दें।

कर्क-आईटी व मीडिया फील्ड के लोग लाभान्वित होंगे। आज पुत्र की ओर से कोई बड़ी खुशखबरी प्राप्त हो सकती है। इस समय आप नई गाड़ी या कोई नया उपकरण खरीदने की योजना बना सकते हैं। कई दिनों से रुका कार्य पूर्ण होगा। प्यार में असत्य वाणी से बचें।

सिंह-जाँब में नवीन अवसरों की प्राप्ति होगी। राजनीति में सफलता मिलेगी। लव लाइफ में तनाव संभावित है। नये रोमांस की संभावना प्रबल है। प्रेम का फूल आपकी जिन्दगी में जल्दी ही खिल सकता है। कामकाज के सिलसिले में आपके ऊपर जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है।

कन्या- नौकरी में आज कोई नया उत्तरदायित्व दिला सकता है। व्यवसाय में लाभ सम्भव है। लव लाइफ को बेहतर करने के लिए मंदिर जाएं। आपको अपनी मेहनत का पूरा फायदा मिलेगा। किसी योजना से बड़ा लाभ होगा। रोमांटिक जीवन थोड़ा असमंजस भरा हो सकता है।

तुला-व्यवसाय में प्रगति को लेकर प्रसन्नता रहेगी। आप का अपने पुराने मित्रों का मिलन हो सकता है। परिवार में वाद-विवाद हो सकता है। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, लेकिन स्थान परिवर्तन की संभावना है। आज उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलेगा। लव लाइफ मे माधुर्यता बनी रहेगी।

वृश्चिक- आज व्यवसाय में उन्नति होगी। सिंह व मीन राशि के मित्र आपके लिए आज हेल्पफुल हैं। कामकाज के मामले में आज आपकी आवाज़ पूरी तरह सुनी जाएगी। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे। दाम्पत्य जीवन में कटुता हो सकता है।

धनु- परिवार से किसी सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय में धन आगमन के संकेत हैं। घर में सभी के साथ तालमेल बना रहेगा। कुछ लोगों से भावनात्मक जुड़ाव महसूस हो सकता है। आज बिना प्लान किये काम पूरे हो जायेंगे। युवा लव लाइफ में यात्रा का आनंद ले सकते हैं।

मकर-जाँब को लेकर कोई बड़ा कार्य या पद परिवर्तन हो सकता है। धार्मिक यात्रा कर सकते हैं। आप दोस्तों के किसी भी तरह के मामलों में पड़कर समय खराब न करें। अपने काम पर ध्यान दें। करियर में तरक्की के लिए नयी क्षमताएँ विकसित करनी होगी।

कुंभ-आज का दिन व्यवसाय में प्रोग्रेस का है। आज प्यार के मामले में सामाजिक बंधन तोड़ने से बचें। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है। जाँब सम्बन्धित कोई नवीन कार्य प्रारंभ कर सकते हैं।

मीन-आज व्यवसाय व जाँब में बड़ी सफलता दे सकता की संभावना है। लवमेट आज कहीं घूमने के लिये जा सकते हैं। अपने महत्वपूर्ण काम निपटाने के लिये आज का दिन शुभ है।जीवन साथी से मधुर वाणी बोलें। लव लाइफ में माधुर्यता बनी रहेगी।

भारी पड़ी शी की जिद

चीन में सरकार की जीरो-कोविड पॉलिसी के खिलाफ लोगों का विरोध इतना तगड़ा था कि इसे दबाने की हर कोशिश नाकाम रही और सरकार को 7 दिसंबर को जीरो कोविड पॉलिसी को वापस लेना पड़ा। इस फैसले का असर यह रहा कि लोगों की भीड़ घर से बाहर निकल आई और अब चीन में कोरोना की वापसी भयावह रूप में हो रही है। चीन में बड़े शहरों की सड़कें फिर सूनी दिखने लगी हैं। इस बार मामला सरकार की ओर से लादी गई सख्त पाबंदियों का नहीं बल्कि कोरोना के केसों में तेज बढ़ोतरी से लोगों में फैली दहशत का है। चीन में शी चिनफिंग सरकार कोविड-19 की चुनौती से निपटने में बुरी तरह नाकाम होती दिख रही है। शुरू में उसने जीरो-कोविड पॉलिसी के तहत ऐसी सख्त पाबंदियां लगाईं कि लोग त्राहिमाम कर उठे। वे न तो कामकाज पर जा पा रहे थे और न उन्हें आवश्यक वस्तुओं की सही ढंग से आपूर्ति हो पा रही थी। इकॉनमी पर इसका बुरा असर पड़ रहा था, सो अलग। बार-बार अलग-अलग हलकों से यह बात कही जा रही थी कि चीन को दुनिया के अन्य देशों के इस महामारी से निपटने के अनुभवों का लाभ लेना चाहिए। लेकिन चीनी सरकार की ज्यादा दिलचस्पी यह साबित करने में थी कि उसकी नीति अन्य सभी देशों से बेहतर है। वह बस विभिन्न देशों में मृतकों की संख्या देखती रही। इस महामारी की चुनौती से जुड़े अन्य अहम पक्षों को नहीं समझ सकी। नतीजा यह कि एक बिंदु के बाद लोगों का धैर्य जवाब दे गया

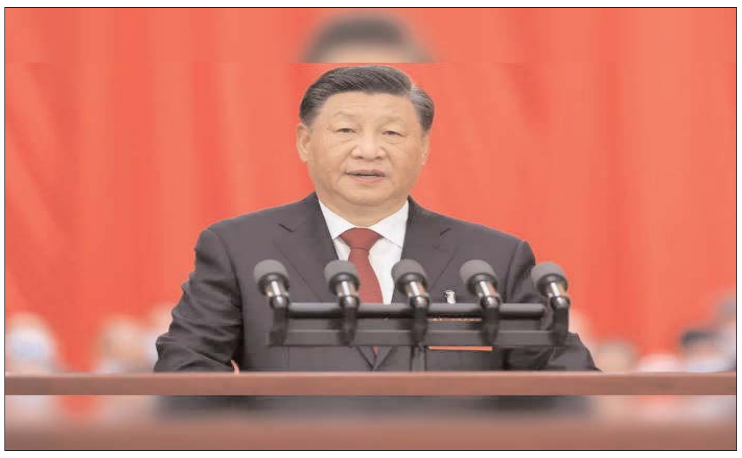

और चीन के तमाम बड़े शहरों में सरकार की जीरो-कोविड पॉलिसी के खिलाफ जबर्दस्त प्रदर्शन शुरू हो गए। आम लोगों का यह विरोध इतना तगड़ा था कि इसे दबाने की हर कोशिश नाकाम रही। आखिर 7 दिसंबर को सरकार ने वह नीति वापस ले ली। सख्त पाबंदियां भी हटा ली गईं। मगर यह फैसला भी एक झटके में लिया गया। नतीजा यह कि लोग बड़ी संख्या में घरों से निकलने लगे, सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ लगने लगी और महामारी पहले से ज्यादा भीषण रूप में लौटी। सरकार के मुताबिक, 7 दिसंबर को जीरो कोविड पॉलिसी से जुड़ी सख्त पाबंदियां वापस लिए जाने के बाद से कोविड से एक भी मौत रिपोर्ट नहीं की गई है। लेकिन राजधानी पेइचिंग में अत्यधिक संक्रामक ओमिक्रॉन वेरिएंट का फैलाव कैटरिंग से लेकर पार्सल तक तमाम सेवाओं को बाधित कर रहा है। शवदाह गृहों और अंत्येष्टि स्थलों पर हाल यह है कि स्टाफ कम पड़ रहे हैं। चीन में कोविड की पहली लहर के मध्य दिसंबर से मध्य जनवरी के बीच आने के आसार हैं, जबकि दूसरी लहर जनवरी के आखिर से फरवरी के मध्य तक और तीसरी लहर फरवरी के आखिर से मध्य मार्च तक। यानी आने वाले वक्त में चीन में मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ सकती है। इसके अलावा, इकॉनमी के मोर्चे पर भी स्थिति और बिगड़ सकती है। ढ्ढरूस्न ने 2022 में चीन की जीडीपी ग्रोथ 3.2 फीसदी और 2023 में 4.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। लेकिन कोविड-19 की आने वाली लहरों से ग्रोथ और कम रह सकती है। इसका ग्लोबल इकॉनमी पर भी बुरा असर पड़ेगा, जो पहले से ही मंदी की ओर बढ़ रहा है।

सेना का मनोबल

इसे लेकर संसद में गतिरोध बना हुआ है। विपक्ष इस पर चर्चा कराने की मांग कर रहा है, तो सत्तापक्ष इससे किनारा करता दिख रहा है। हालांकि घटना के प्रकाश में आने पर रक्षामंत्री ने संसद में सरकार का पक्ष रखा था, मगर विपक्षी दल उससे संतुष्ट नहीं हैं। वे सरकार से जानना चाहते हैं कि आखिर चीन की घुसपैठ की सूचना को छिपाए क्यों रखा गया और यह भी कि सरकार ने चीन को लेकर क्या रणनीति बनाई है। उधर अपनी पदयात्रा के बीच राहुल गांधी ने एक प्रेसवार्ता में कह दिया कि सीमा पर चीनी सैनिक भारतीय सैनिकों की 'पिटाई' कर रहे हैं। इसे लेकर सत्तापक्ष हमलावर है कि इस तरह के बयानों से सेना का अपमान होता, उसका मनोबल गिरता है और उसका इस्तेमाल अपनी राजनीति चमकाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इस तरह संसद में अब हंगामे का केंद्र बिंदु चीन की घुसपैठ से खिसक कर सेना के अपमान और मनोबल पर पहुंच गया है। यानी प्रकारांतर से दोनों ने सेना को अपनी राजनीतिक रस्साकशी का जरिया बना लिया है। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब सेना को राजनीति में घसीटने का प्रयास किया जा रहा है। मुद्दा सेना के साहस और मनोबल का नहीं है। असल विषय है चीन की घुसपैठ का। यह अच्छी बात है कि भारतीय सैनिकों ने चीन की रणनीति पर पानी फेर दिया और उसके सैनिकों को वापस लौटना पड़ा। मगर यह सवाल अभी तक अनुत्तरित है कि आखिर चीन ने यह हिमाकत की कैसे। अगर सरकार सचमुच कूटनीतिक रूप से उस पर दबाव बनाए रहती, तो शायद वह ऐसा करने की सोच भी नहीं सकता था। फिर इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि चीन की तरफ से बार-बार हो रही ऐसी हरकतों पर कैसे विराम लगाया जाए। कुछ समय पहले तक उसने लद्दाख क्षेत्र में भी लंबे समय तक तनाव की स्थिति पैदा किए रखी। ऐसे मामलों में परंपरा रही है कि सत्तापक्ष सभी दलों के साथ मिल-बैठ कर चर्चा करता और फिर देश को विश्वास में लेकर कोई व्यावहारिक कदम उठाता रहा है। मगर सरकार ने इस तकाजे को समझना तो दूर, एक तरह से इस पर परदा डालने का ही प्रयास किया है। इसलिए भी विपक्षी दलों को इसका राजनीतिक लाभ लेने का मौका मिला है। किसी देश के सुरक्षाबलों का

सीमा के भीतर घुस आना और हमारे सुरक्षाबलों से गुत्थमगुत्था हो जाना निस्संदेह संवेदनशील मामला है, इसे ढंकना-छिपाना या इस पर चुप्पी साधे रखना किसी भी रूप में सवालों से परे नहीं माना जा सकता। मगर हैरानी की बात है कि सैन्य रणनीति से जुड़े इस संवेदनशील मामले को सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों राजनीतिक रंग देने पर तुले हुए हैं। प्रतिरक्षा से जुड़े फैसले गोपनीय रखे जाते हैं, उसकी रणनीतियां इस तरह राजनीति के केंद्र में नहीं लाई जातीं। इससे दुश्मन देश को अपनी रणनीति बनाने में मदद मिलती है। मगर पिछले कई सालों से देखा जा रहा है कि सेना की गतिविधियों को राजनीतिक मंचों से मुद्दा बना दिया जाता है। यहां तक कि चुनाव में भी उन्हें भुनाने की कोशिश की जाती है। इस तरह सेना के मनोबल पर तो प्रतिकूल असर पड़ेगा ही, चीन को भी इस राजनीतिक रस्साकशी का लाभ उठाने का मौका मिल सकता है।

कारोबारियों को राहत

जीएसटी काउंसिल ने शनिवार को हुई अपनी 48वीं बैठक में इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर सहमति दे दी कि अधिकतम 2 करोड़ रुपये तक की गड़बड़ियों के मामलों में मुकदमा नहीं चलाया जाएगा। अभी तक यह सीमा एक करोड़ रुपये थी। काउंसिल ने सरकारी ऑफिसर के काम में बाधा पहुंचाने, सबूतों से छेड़छाड़ करने और आवश्यक सूचनाएं मुहैया न कराने जैसे आरोपों को भी दंडनीय अपराध की श्रेणी से बाहर करने की बात कही है। ये फैसले कारोबारियों को बड़ी राहत देने वाले हैं। असल में कारोबारियों के लिए टैक्स चुकाना उतना बड़ा सिरदर्द नहीं होता, जितना कर अधिकारियों को इस बात का विश्वास दिलाना कि उन्होंने नियमानुसार टैक्स भरे हैं। अक्सर इस बात को लेकर दोनों पक्षों में मतभेद होता है कि कितना टैक्स चुकाया गया है और कितना बनता है। अगर ये मतभेद आपस में नहीं सुलझते तो मामला अदालत पहुंचता है। अक्सर ऐसी स्थिति में अदालतों पर मुकदमे का बोझ तो बढ़ता ही है, कारोबारियों का भी वक्त जाया होता है। जो ईज ऑफ डुइंग बिजनेस के लिहाज से ठीक नहीं होता। 2014 में केंद्र की सत्ता में आने के बाद इसी वजह से बीजेपी सरकार ने ईज ऑफ डुइंग बिजनेस पर जोर दिया और इसे लेकर राज्यों में एक स्वस्थ स्पर्धा भी शुरू हुई है। राज्य अपने यहां कारोबार के लिए सुगम स्थिति बनाकर अधिक से अधिक निवेश आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। 2014 से पहले यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में टैक्स टेररिज्म बड़ा मुद्दा बन गया था। तब हुए लोकसभा चुनावों के दौरान बीजेपी का एक बड़ा वादा यह भी था कि सत्ता में आने पर वह टैक्स टेरर को समाप्त कर देगी। इस दिशा में पिछले वर्षों में प्रयास भी बीजेपी सरकार ने किए हैं। 2014 में जहां भारत ईज ऑफ डुइंग बिजनेस इंडेक्स में 142वें स्थान पर हुआ करता था, वहीं 2022 में 63वें स्थान पर आ गया। जीएसटी लाने के पीछे भी एक उद्देश्य यह भी था कि टैक्स व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़े। जीएसटी सिस्टम ने बेशक कुछ चीजें आसान बनाईं लेकिन कुछ मामलों में इसने जटिलता बढ़ा भी दी। ऐसे में दो करोड़ रुपये तक के मामलों में मुकदमेबाजी से छूट की घोषणा निस्संदेह बड़ी राहत है। सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध न कराने जैसे आरोपों को दंडनीय अपराध के दायरे से बाहर करना भी अच्छा कदम है। देश ने लंबे वक्त तक इंस्पेक्टर राज का दुष्परिणाम देखा है। तब बात-बात पर कारोबारियों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे और अपना जायज काम करवाने के लिए भी घूस देनी पड़ती थी। वहीं, गलत इनवॉयस बनाने और फर्जी बिल दिए जाने वाले मामलों को ठीक ही इस छूट से बाहर रखा गया है, जिसकी शिकायत मिलती रही है। जीएसटी काउंसिल के हालिया फैसलों से कारोबारी सुगमता बढ़ेगी, लेकिन इस टैक्स व्यवस्था में आगे भी सुधार जारी रखने होंगे।

सिमटते स्कूल

मगर विकासशील देशों में विकास के अन्य मोर्चों पर काम करते हुए शिक्षा को शायद प्राथमिकता सूची में अहमियत नहीं मिल पाती। स्वाभाविक ही इसका असर सभी पक्षों पर पड़ता है और उसकी गुणवत्ता प्रभावित होती है। कायदे से होना यह चाहिए कि सरकार हर स्तर पर सर्वेक्षण करा कर स्कूलों की जरूरत को चिह्नित करे और जरूरतमंद आबादी के लिए स्कूल और अच्छी शिक्षा-दीक्षा सुनिश्चित करे। मगर संसाधनों की कसौटी पर प्राथमिकता सूची में वाजिब जगह न मिल पाने की वजह से इस दिशा में वक्त पर पहल नहीं की जाती। नतीजतन, बाद में तस्वीर और बिगड़ती जाती है और कई बार चालू स्कूलों को भी बंद करने की नौबत आती है। राज्यसभा में केंद्र सरकार ने एक सवाल के जवाब में बताया कि पिछले चार साल के दौरान देश भर में

इकसठ हजार से ज्यादा सरकारी स्कूल बंद हो गए। हालांकि इसके साथ ही सरकार ने यह भी बताया कि पिछले तीन सालों में सरकारी स्कूलों में पड़ने वाले विद्यार्थियों की तादाद में एक करोड़ तेईस लाख की बड़ोतरी हुई। यह अपने आप में एक विचित्र बात है कि जिस अवधि में विद्यार्थियों की संख्या बड़ी, उसी बीच भारी संख्या में स्कूल बंद हुए। सवाल है कि आखिर वे कौन-सी स्थितियां थीं कि विद्यार्थियों की बड़ती तादाद की जरूरतों के मद्देनजर जहां स्कूल बड़ने चाहिए थे, वहां उनकी संख्या कम हुईड़ क्या यह मान लिया गया कि जितने विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में नामांकित हैं, उनकी जरूरतों के मद्देनजर पर्याप्त स्कूल हैंड़ अनेक मौकों पर ऐसी खबरें आती रही हैं कि ज्यादातर स्कूलों में क्षमता से अधिक विद्यार्थी हैं और कक्षाओं में शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात में भारी असंतुलन है। इन वजहों से स्कूलों में पड़ाई-लिखाई की गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित होती है। स्कूलों को बंद करने के पीछे आमतौर पर वजह यह बताई जाती है कि उस जगह पर उसकी जरूरत नहीं थी। यह संभव है कि एक जनप्रतिनिधि या सामुदायिक मांग के आधार पर किसी जगह स्कूल तो खोल दिए जाते हैं, मगर वहां पर्याप्त विद्यार्थी दाखिला नहीं ले पाते। मगर एक ही समय में विद्यार्थियों की संख्या में इजाफा हो रहा है और दूसरी ओर स्कूल बंद किए जा रहे हों, तो उसे कैसे देखा जाएगा! दरअसल, पिछले करीब ढाई सालों में कोविड महामारी से बचाव के तर्क पर जब पूर्णबंदी लागू हुई तो उसकी वजह से देश में बड़ी संख्या में लोगों की आर्थिक स्थिति बुरी तरह प्रभावित हुई। मजबूरन बहुत सारे परिवारों ने निजी स्कूलों का खर्च नहीं जुटा पाने के चलते अपने बच्चों को वहां से हटा लिया और उनका दाखिला सरकारी विद्यालय में कराया। स्वाभाविक ही इन स्थितियों का दबाव मौजूदा सरकारी स्कूलों पर बड़ा, जहां विद्यार्थियों की संख्या में काफी बड़ोतरी हुई। इसके समांतर आज भी यह सवाल अपनी जगह कायम है कि देश भर के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के लाखों पद खाली पड़े हैं। ऐसे में यह एक जटिल स्थिति है कि विद्यार्थियों की बड़ती संख्या, घटते स्कूल और शिक्षकों की कमी के बीच गुणवत्ता आधारित या अच्छी शिक्षा कैसे मुहैया कराई जाएगी।

बाज आए चीन

> दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की संभावना को और दूर कर दिया है। हालांकि, जैसा कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को संसद को बताया, सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों ने बहादुरी का परिचय देते हुए उन चीनी सैनिकों को वापस खदेड़ दिया। भारतीय क्षेत्र में घुसने की उनकी कोशिश नाकाम कर दी गई। इस क्रम में दोनों तरफ के कुछ सैनिक घायल जरूर हुए, लेकिन अच्छी बात यह रही कि किसी की जान नहीं गई और न ही कोई गंभीर रूप से जख्मी है। मगर इससे इस तथ्य की गंभीरता कम नहीं हो जाती कि चीन ने एक बार फिर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बलपूर्वक यथास्थिति को बदलने का प्रयास किया है। यह प्रयास ऐसे समय हुआ है, जब कुछ ही दिन पहले चीन ने उत्तराखंड के औली में भारत और अमेरिका के संयुक्त युद्धाभ्यास पर एतराज किया था।

भारत और चीन के सैनिकों के बीच अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में एलएसी पर झड़प की खबर सामने आई। चीन के साथ झड़प में भारतीय सैनिकों ने मुंहतोड़ जवाब दिया है जिसके बाद चीनी सेना पीछे हटने के मजबूर हुई। इस झड़प में दोनों ओर से सैनिक घायल हुए हैं। यह घटना 9 दिसंबर की है। बाज नहीं आ रहा है चीन। (भारत-चीन के सैनिकों के बीच झड़प के एक वीडियो का स्क्रीनशॉट) अरुणाचल प्रदेश के याग्त्से में एलएसी पर शुक्रवार 9 दिसंबर को चीनी सैनिकों की ओर से किया गया अतिक्रमण का प्रयास चिंताजनक है। इसने दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की संभावना को और दूर कर दिया है। हालांकि, जैसा कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को संसद को बताया, सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों ने बहादुरी का परिचय देते हुए उन चीनी सैनिकों को वापस खदेड़ दिया। भारतीय क्षेत्र में घुसने की उनकी कोशिश नाकाम कर दी गई। इस क्रम में दोनों तरफ के कुछ सैनिक घायल जरूर हुए, लेकिन अच्छी बात यह रही कि किसी की जान नहीं गई और न ही कोई गंभीर रूप से जख्मी है। मगर इससे इस तथ्य की गंभीरता कम नहीं हो जाती कि चीन ने एक बार फिर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बलपूर्वक यथास्थिति को बदलने का प्रयास किया है। यह प्रयास ऐसे समय हुआ है, जब कुछ ही दिन पहले चीन ने उत्तराखंड के औली में भारत और अमेरिका के संयुक्त युद्धाभ्यास पर एतराज किया था।

यह याद रखना भी महत्वपूर्ण है कि इसी महीने भारत ने जी-20 समूह की अध्यक्षता ग्रहण की है, जिसके एक साल के कार्यकाल को अधिक से अधिक सार्थक बनाने की कोशिशों में वह लगा हुआ है। जी-20 के ही शिखर सम्मेलन के दौरान बाली में पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात भी हुई थी। हालांकि दोनों के बीच कोई बैठक या बातचीत नहीं हुई, लेकिन दोनों गर्मजोशी से जरूर मिले थे। तीन महीना पहले यानी इसी सितंबर में दोनों देश पूर्वी लद्दाख के गोगरा हॉटस्प्रिंग इलाके से अपने सैनिकों को पीछे लेने पर सहमत हुए थे, जिसे मई 2020 से शुरू हुई कमांडर लेवल बातचीत में उठा आखिरी विवादित बिंदु कहा गया। साफ है कि गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से दोनों पक्षों के रिश्ते सामान्य भले न हुए हों, लेकिन लगातार बातचीत के जरिए असहमति और विवाद के बिंदुओं पर न्यूनतम

सहमति बनाने की कोशिशें काफी हद तक कामयाब हो रही थीं। ऐसे में अचानक हुई यह झड़प न केवल चौंकाने वाली है बल्कि इसके पीछे का मकसद समझना भी मुश्किल है। हालांकि जानकारों के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के याग्त्सी इलाके में एलएसी को लेकर दोनों देशों की समझ में अंतर है और इसलिए पहले भी वहां ऐसी झड़पें हो चुकी हैं। इस बार झड़प के ठीक बाद जिस तत्परता से फ्लैग मीटिंग करके मसले को सुलझाया गया, वह पॉजिटिव संकेत है। दोनों देशों के रिश्तों में पॉजिटिविटी के इस फैक्टर के बने रहने की कामना करते हुए भी इतना तो कहना ही होगा कि इस झड़प ने सीमा पर विश्वास का माहौल बनाने की कोशिशों को नुकसान पहुंचाया है, जिससे रिश्तों के सामान्य होने की प्रक्रिया पहले से थोड़ी और मुश्किल हो गई है।

सपा के राष्ट्रीय महासचिव ने दी अखिलेश यादव को नसीहत

कानपुर जेल में समाजवादी पार्टी विधायक इरफान सोलंकी से अखिलेश यादव की मुलाकात पर बयानबाजी जारी है. सोमवार को सपा प्रमुख ने कानपुर जेल में उसके मुलाकात की थी. जिसके बाद बीजेपी समेत कई विपक्षी नेताओं ने सपा प्रमुख पर सवाल खड़े कर दिए थे. अब सपा के राष्टीय महासचिव रामजीलाल सुमन ने अखिलेश यादव को नसीहत दी है. सपा के राष्टीय महासचिव रामजीलाल सुमन का एक बयान आया है, जिसमें उन्होंने पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को नसीहत दी है. उन्होंने इरफान सोलंकी के यहां अखिलेश यादव के जाने पर उन्हें नसीहत दी है. उन्होंने कहा है कि राजनीति में पार्टी के कार्यकर्ता या नेता गर्दिश में हो तो राष्टीय अध्यक्ष के जाने से भरोसा पैदा होता है. इस दौरान उन्होंने मैनपुर उपचुनाव के परिणामों पर भी प्रतिक्रिया दी है.
सपा नेता ने कहा कि मैनपुरी की तरह ही बाकी सभी उपचुनाव में परिश्रम किया होता तो अच्छे नतीजे आते. अब मुद्दों पर आधारित राजनीति से जवाब दिया जाए. पार्टी में मुद्दों पर आधारित संघर्ष बनाना चाहिए. जो परिश्रम आजमगढ़ और रामपुर में होनी चाहिए थे, वो अगर वहां होते तो नतीजे कुछ और ही होते, ऐसी अपेक्षा है. इस दौरान शिवपाल यादव की नई जिम्मेदारी पर जब उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि ये उनके बीच का मामला है. हालांकि इससे पहले सुभासपा नेता अरुण राजभर ने कहा, आजम खान साहब से मिलने क्यों नहीं गए, बरेली के विधायक से मिलने क्यों नहीं गए. अब रूभी समझ गया है ङ्ख भी समझ रहा है बाकी कुछ इलाकों के कुछ समय में समझ जायेंगे. उन्होंने अपने अगले ट्वीट में लिखा, सपा समाजिक न्याय की बात करती है अतिपिछड़ों के न्याय के लिए बनी सामाजिक न्याय समिति रिपोर्ट का विरोध सदन से सड़क तक करती है. ताकि समाजिक न्याय समिति रिपोर्ट लागू न हो, इसको लागू कराने के लिए सुभासपा सड़क से सदन लड़ती है, सपाई इसके समर्थन में कभी खड़े हुए हो तो बताएं बस विरोध करते है.

जमीन में गाड़ने से लटके-झटके तक, कांग्रेस नेता अजय राय के इन विवादित बयानों ने मचाया बवाल

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय के बयान ने नई राजनीतिक हलचल पैदा कर रखी है. उनका ताजा विवादित बयान केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर है, जिसके बाद अमेठी से राहुल गांधी के चुनाव लड़ने की चर्चा शुरू हो गई है. अपने इस बयान में कांग्रेस नेता ने कहा है, राहुल गांधी, राजीव गांधी अमेठी सीट पर चुनाव लड़े हैं, कई कल-कारखाने लगाए गए. अब आधे से ज्यादा कल-कारखाने बंद पड़े हुए हैं. स्मृति ईरानी केवल आती हैं और लटके-झटके देकर चली जाती हैं. कांग्रेस कार्यकर्ता चाहते हैं कि राहुल गांधी वहां से 2024 का चुनाव लड़े. हालांकि इससे पहले अजय राय ने पीएम मोदी और सीएम योगी के खिलाफ भी आपत्तिजनक बयान दिया था. तब उन्होंने कहा था, वो नमक जो सरकार के ओर से दिया गया है उसे रखिए सात तारीख को मोदी और योगी को साथ में गाड़ देना. उनका ये बयान यूपी विधानसभा चुनाव के वक्त आया था. जिसके बाद इस बयान को लेकर काफी विवाद हुआ था. वहीं अप्रैल 2019 में अजय राय ने पीएम मोदी के रोड़ शो पर टिप्पणी करते हुए कहा था, रोड़ शो में पैसे देकर भीड़ जुटाई गई है. पचासों लाख के फूल लोगों में बांटे गए जिससे मोदी जी आएं तो उनका स्वागत फूल बरसा कर किया जा सके. भीड़ में बाहर से लोगों को बुलाया गया है. बता दें कि कांग्रेस नेता अजय राय दो बार पीएम मोदी के खिलाफ वाराणसी से लोकसभा का चुनाव लड़ चुके हैं. पहले 2014 और फिर 2019 में चुनाव लड़ा था. इसके अलावा वे यूपी की पिण्ड्रा विधान सभा सीट से विधायक भी रह चुके हैं.

झांसी में अखिलेश यादव के हेलिकॉप्टर को उतारने की नहीं मिली अनुमति, प्रशासन ने बताई वजह

झांसी। यूपी स्थित झांसी में प्रशासन ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव हेलिकॉप्टर को उतरने के लिए परमिशन नहीं दी है. सपा ने पुलिस लाइन में हेलिकॉप्टर के लिए अनुमति मांगी थी. लेकिन झांसी प्रशासन ने अनुमति नहीं दी. इस संबंध में झांसी के एसएसपी ने जानकारी दी है. सपा प्रमुख के हेलिकॉप्टर को उतरने के लिए झांसी प्रशासन ने अनुमति नहीं दी है. इस संबंध में झांसी एसएसपी ने बताया, कल ही हमारे पास पत्र आया और अचानक ही वह हमसे पूछ रहे हैं. इसके लिए पहले से उनको अनुमति लेनी थी. पुलिस लाइन में काम चल रहा है इसलिए अनुमति नहीं दी जा रही है. वे सपा के पूर्व विधायक से जेल में मिलने के लिए आ रहे थे.

शाहरुख का पुतला जलाने से पहले ही पुलिस ने छीना

यूपी। बालीवुड अभिनेता शाहरुख खान की बहुचर्चित फिल्म पठान में भगवा रंग के कपड़े को लेकर विरोध लगातार बढ़ता चला जा रहा है. वहीं उत्तर प्रदेश के ललितपुर में भी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पठान फिल्म का विरोध करते हुए, अभिनेता शाहरुख खान का पुतला जलाने की कोशिश की. हालांकि पुलिस के तेवर देख कर कार्यकर्ताओं का जोश ठंडा हो गया और एक-एक कर मौके से खिसक गये.
दरअसल यह पूरा मामला पाली के घंटाघर स्थित मैदान की है, जहां बजरंग दल के कार्यकर्ता फिल्म का विरोध करते हुए शाहरुख खान का पुतला जलाने पहुंचे थे. कार्यकर्ताओं ने जैसे ही घंटाघर स्थित मैदान में पुतले में आग लगाने की कोशिश की, ठीक उसी समय मैदान के सामने स्थित सीओ कार्यालय में मौजूद सीओ सिटी अभय नारायण राय दूसरे अधिकारियों के और दल बल के साथ मौके पर पहुंच गए. जहां सीओ सिटी अभय नारायण राय ने पुतला जलाने से पहले ही बजरंग दल के कार्यकर्ताओं से उसे छीन लिया. पुलिस के सख्त तेवर देख कर कार्यकर्ता मौके से इधर उधर खिसक गए. बीते सोमवार की रात पाली कस्बा पाली के बस स्टैंड चौराहा पर पठान फिल्म का विरोध करते हुए, विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बीच चौराहे पर शाहरुख खान का पुतला फूंका था. इस विरोध प्रदर्शन के दौरान हिन्दू संगठनों ने जमकर नारेबाजी की और भगवा को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है.
हिन्दू संगठनो ने फिल्म देखने वालों को दी है ये धमकी-मीडिया में छपी खबर के मुताबिक, बस स्टैंड चौराहे पर प्रदर्शन करते विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने धमकी दी है कि कार्यकर्ता फिल्म को देश के किसी भी सिनेमा हॉल में रीलीज नही होने देंगे. उन्होंने कहा कि अगर फिल्म किसी भी सिनेमा हॉल में लगाई गई तो उसकी जिम्मेदारी सिनेमा हॉल के मालिक और प्रशासन की होगी. बजरंग दल के नगर अध्यक्ष सूरज चौरसिया ने शाहरुख खान पर आरोप लगाया कि वह भगवा को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने आगे कहा कि अगर फिल्म को रिलीज किया गया तो, अंजाम बुरा होगा, सेंसर बोर्ड के दफ्तर में घुसकर तोड़फोड़ की जाएगी.

सीएम योगी को घेरने का एक भी मौका नहीं छोड़ते थे राजभर

यूपी। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर एक बार सुर्खियों में हैं. इसकी वजह भी है. जिस बीजेपी खासकर सीएम योगी को यूपी विधानसभा चुनाव 2022 से पहले तक सुबह से शाम तक भला बुरा कहते थे, उसी के साथ एक बार फिर वो हाथ मिलाने को तैयार दिखाई देते हैं. इस बात के संकेत एक दिन पहले मिले हैं. उनके इस रुख को लेकर जब पत्रकारों ने सवाल पूछा कि क्या वो फिर से भाजपा से हाथ मिलाने जा रहे हैं तो उन्होंने कहा कि राजनीति में कोई कसम किसी ने खाई है क्या? उनके इस रुख से साफ है कि वो यूं ही भाजपा से धीरे-धीरे अपनी नजदीकियां नहीं बढ़ा रहे हैं. दरअसल, इस बात की चर्चा इसलिए जरूरी है कि सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर 19 दिसंबर को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के आवास पर पहुंचे थे. मुलाकात के बाद ब्रजेश पाठक ने ओम प्रकाश राजभर को अटल बिहारी बाजपेई फाउंडेशन का सह अध्यक्ष नियुक्त किया. बस, यही वो कड़ी है जो सियासी तौर पर बहुत कुछ कहने लगी है. इससे पहले

राजभर ने बीजेपी से गठबंधन को लेकर जवाब देते हुए कहा था- राजनीति में कोई कसम किसी ने खाई है क्या, क्या बीजेपी और पीडीपी में गठबंधन होने की संभावना कभी थी। राजनीति में नेता दुमुहिया सांप होते हैं. कब क्या बोल देंगे कुछ पता नहीं. यह बयान उन्होंने उपचुनाव से पहले बीजेपी के साथ गठबंधन के सवाल पर दिया था. एसबीएसपी प्रमुख ओम प्रकाश राजभर की ओर से समय-समय पर दिए गए इन बयानों की वजह से यूपी की राजनीति में नई चर्चा को बल मिला है. अब इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि बीजेपी लोकसभा चुनाव 2024 में ईस्टी यूपी में अपनी पकड़ को पहले की तरह बनाए रखने के लिए राजभर को अपने पाले में लाना चाहती है. अब यहां पर सवाल यह है कि आखिर भाजपा ऐसा क्यों करेगी।
सियासी लिहाज से ये है राजभर का मजबूत पक्ष-इसका जवाब यह है कि वाराणसी, देवीपाटन, गोरखपुर व आजमगढ़ मंडल की विधानसभा सीटों पर राजभर समाज का खासा प्रभाव है. यूपी की राजनीति में दबदबा रखने वाली पिछड़ी जातियों में राजभर समाज की आबादी करीब चार फीसदी है. 403 विधानसभा सीटों में सौ से अधिक सीटों पर राजभर समाज का ठीक-ठाक वोट है. पूर्वांचल के दो दर्जन से अधिक जिलों की 100 से अधिक सीटों पर राजभर मतदाता हार-जीत तय करते हैं. सुभासपा की बंसी, आरख, अर्कवंशी, खरवार, कश्यप, पाल, प्रजापति, बिंद, बंजारा, बारी, बियार, विश्वकर्मा, नाई और पासवान जैसी उपजातियों पर भी मजबूत पकड़ मानी जाती है. 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को यूपी की 80 में से 64 सीटों पर जीत हासिल हुई थी. दो सीटों पर सहयोगी पार्टी यानि अपना दल को जोड़ दें तो भाजपा गठबंधन के पास 66 सीटें हैं. बीजेपी इस रणनीति पर काम कर रही है कि कम से कम 2024 में भी इस संख्या को अपने पास बरकरार रखें. बीजेपी कोशिश करेगी लोकसभा चुनाव में वो 2014 वाला प्रदर्शन करे.

गाजियाबाद में बढ़ती ठंड के चलते स्कूल के टाइम में बदलाव

उत्तर भारत में अब ठंड का प्रकोप बढ़ना शुरू हो गया है. पिछले कुछ दिनों से सुबह घना कोहरा भी देखने को मिल रहा है जिसके चलते अब यूपी समेत तमाम जनपदों में सर्दी का सितम बढ़ता जा रहा है. अत्यधिक ठंड, शीतलहर और घने कोहरे को देखते हुए गाजियाबाद जिला प्रशासन ने स्कूलों को लेकर बड़ा फैसला लिया है. जिसके तहत जनपद में तमाम सरकारी व निजी स्कूलों के संचालन समय में बदलाव किया गया है. डीएम ने 21 दिसंबर से सभी स्कूलों को सुबह 9 बजे से खुलने का निर्देश दिया है. वहीं उन्नाव में भी स्कूलों की टाइमिंग में परिवर्तन किया गया है.
गाजियाबाद जिलाधिकारी राकेश कुमार श्रीवास्तव ने इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सभी बेसिक, माध्यमिक विद्यालय, मदरसा शिक्षा बोर्ड, संस्कृत विद्यालय और परिषदीय स्कूलों के खुलने के समय में बदलाव किया गया है. गाजियाबाद में बढ़ती हुई ठंड व कोहरे के चलते दिनांक 21 दिसंबर से कक्षा 1 से लेकर कक्षा 12 तक के सभी स्कूल सुबह 9 बजे से खुलेंगे. पिछले कुछ दिनों से उत्तर भारत में अचानक सर्दी बढ़ गई थी, जिसकी वजह से बच्चों को घने कोहरे के बीच स्कूल जाना पड़ रहा था, जिसकी वजह से ठंड के साथ-साथ हादसों की भी आशंका बनी रहती थी. डीएम के इस फैसले से ठंड और कोहरे के बीच स्कूल जाने वाले छोटे-छोटे बच्चों और उनके माता-पिता को राहत मिलेगी. वहीं दूसरी तरफ गाजियाबाद के साथ यूपी के उन्नाव में भी स्कूल के समय में बदलाव किया गया है. उन्नाव में अत्यधिक ठंड, शीतलहर और कोहरे की वजह से जिला प्रशासन ने स्कूल के संचालन के समय में परिवर्तन किया है. डीएम के निर्देशों के मुताबिक यहां कक्षा एक से कक्षा आठ तक के स्कूलों के टाइमिंग चेंज की गई है. डीएम के निर्देशों के मुताबिक अब से उन्नाव में कक्षा एक से आठ तक के स्कूल सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक संचालित होंगे.

उत्तरी कैलिफोर्निया में भूकंप ने मचाई तबाही, अब तक दो की मौत, कई घायल

वॉशिंगटन। उत्तरी कैलिफोर्निया में तीव्र भूकंप के झटके ने लोगों को घरों से बाहर निकलने पर मजबूर कर दिया. शक्तिशाली भूकंप ने कैलिफोर्निया के उत्तरी तट पर काफी नुकसान पहुंचाया. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान हम्बोल्ट काउंटी में करीब 11 लोगों के घायल होने की सूचना है. वहीं दो लोगों की मौत हुई है. भूकंप उत्तरी कैलिफोर्निया के ग्रामीण क्षेत्र फेरनडेल के नजदीक आया था. यह सैन फ्रांसिस्को से करीब 345 किमी उत्तर पश्चिम और प्रशांत तट के निकट था. मंगलवार देर रात आए इस भूकंप की वजह से घर, सड़कें, बिजली और पानी की सुविधाओं पर असर देखा गया. अचानक हजारों घरों में बिजली गुल हो गई. एक आकंड़े के अनुसार, करीब 79,000 घरों में बिजली अचानक चली गई. इसके साथ आसपास की सड़कों और घरों को काफी नुकसान झेलना पड़ा.
उत्तर कैलिफोर्निया की आबादी करीब 30 लाख की है. स्थानीय लोगों का कहना है कि भूंकप के झटके इतने तीव्र थे कि अफरा-तफरी माहौल देखने को मिला. बताया जा रहा कि इस दौरान लोगों को मोबाइल फोन पर भूकंप का अलर्ट पहले ही दिया गया था. इस कारण लोग पहले ही घर से बाहर निकलने की तैयार कर चुके थे. गौरतलब है कि 6.4 तीव्रता के झटके बेहद खतरनाक होते हैं. यह किसी भी इमारत को धाराशाही करने के लिए काफी है.

गोंडा में कॉन्स्टेबल मोहम्मद जफर पेड़ के नीचे लगाते हैं पाठशाला

गोंडा। यूपी के गोंडा से एक प्रेरक तस्वीर सामने आई है. यहां पर पुलिस विभाग में तैनात कॉन्स्टेबल मोहम्मद जफर पेड़ के नीचे अपनी पाठशाला लगाकर गरीब बच्चों को पढ़ाते हैं. उनका मानना है कि ज्ञान बांटने से बढ़ता है और अगर उनके प्रयास से किसी का कुछ भला हो सकता है, तो बहुत अच्छा है. उनका सिविल सर्विसेज में जाने का सपना था, लेकिन किसी वजह से उनका सपना पूरा नहीं हो पाया. कोतवाली कर्नलगंज क्षेत्र के चचरी पुलिस चौकी में तैनात मोहम्मद जफर पुलिस चौकी के बगल में पीपल के पेड़ के नीचे हर रोज ड्यूटी करने के बाद 4 से 5 तक गरीब बच्चों को पढ़ाते हैं. जिसमें कक्षा 1 से लेकर 10 तक के बच्चे शामिल हैं. गर्मी के मौसम में बच्चों की संख्या होती थी, लेकिन ठंड के चलते लगभग 50 की संख्या में बच्चे आते हैं. मोहम्मद जफर सभी विषयों पर बच्चों को पढ़ाते हैं. ये वो इलाका है जहां से एलिमेंट तटबंध लगभग 10 किलोमीटर दूर है. भारी बारिश और तटबंध के कटने पर यहां बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं.
पुलिस की सर्विस तो हमेशा 24 घंटे की होती है, लेकिन मोहम्मद जफर को अपनी पुलिस ड्यूटी के बाद जो समय मिलता है उसमें चार से पांच एक घंटा गरीब बच्चों को पढ़ाते हैं. उसके बाद पैदल वह अपनी ड्यूटी के लिए जाते हैं. दोपहर में वो बैंक ड्यूटी भी करते हैं. गोंडा जिले के अंतिम छोर की सुदूर चचरी पुलिस चौकी के बगल में रोजाना पुलिस सर की पाठशाला पेड़ के नीचे लगती है. जहां एक घंटे बच्चे मैथ्स साईन्स समेत अन्य सब्जेक्ट की पढ़ाई करते हैं. इस पाठशाला में कक्षा एक से 10 तक के बच्चे ट्यूशन लेते हैं. वहीं पुलिस कॉन्स्टेबल मोहम्मद जफर की पाठशाला में ट्यूशन लेने आए बच्चों का

कहना है कि पुलिस सर हमको निशुल्क हर सब्जेक्ट पढ़ाते हैं. वो बहुत अच्छा पढ़ाते हैं और कोई पैसा नहीं लेते. हम लोग खुश हैं. वहीं बच्चों के परिजनों ने कहा कि यहां पर चौकी के पास पुलिस सर बच्चों को निशुल्क पढ़ाते हैं. जिससे हम लोगों को बच्चों को ट्यूशन नहीं भेजना पड़ता है. वहीं मोहम्मद जफर का कहना है कि अपनी ड्यूटी को खत्म करने के बाद वो घूमने टहलने के बजाय रोजाना गरीब बच्चों को पढ़ातें हैं. यह उनका शौक है. विज्ञान से स्नातक मोहम्मद जफर का सिविल सर्विसेज में जाने का सपना था जो नही पूरा हुआ, तो अब वो चाहते हैं कि उनके पड़ाए इन बच्चों में कोई भी अगर कामयाब हो गया तो जफर की ख्वाहिश पूरी हो जाएगी. वो रोजाना बेहद लगन से बच्चों को पड़ाते हैं और बच्चे भी तल्लीनता से पड़ाई करते हैं. मोहम्मद जफर ने कहा, ÷मैं जनपद महाराजगंज का रहने वाला हूं. मेरी 3 साल पहले पुलिस में पोस्टिंग हुई थी. उसके बाद मेरी कर्नलगंज में तैनाती की गई है. मैं चचेरी पुलिस चौकी में एक साल से तैनात हूं. मुझे यहां पर अपनी पुलिस ड्यूटी करने के बाद जो समय मिलता है उसमे आसपास के ग्रामीणों के बच्चों को शिक्षा देता हूं. उन्होंने कहा क्योंकि यहां के ग्रामीण गरीब हैं. उनकी मजदूरी केवल 200 रुपये है. वो कैसे अपने घर का भरण पोषण करेंगे और कैसे बच्चों को पढ़ाएंगे. इसीलिए मैं बच्चों को शिक्षा देता हूं. मेरी इच्छा थी कि सिविल सर्विस में जाऊं, लेकिन कुछ आर्थिक परिस्थितियां नहीं सही थी. जिसके चलते मेरी नौकरी पुलिस विभाग में लग गई. वैसे तो पुलिस की ड्यूटी 24 घंटे की होती है और बहुत काम होता है लेकिन एक घंटा पढ़ाने से मन शांत रहता है. मुझे पढ़ाना अच्छा लगता है.

सम्मेद शिखर को पर्यटक स्थल बनाने के विरोध में जैन समाज ने निकाली विशाल रैली एसडीएम को दिया ज्ञापन

गोहद-झारखंड में स्थित पवित्र तीर्थ स्थल श्री सम्मेद शिखर जी पर्यटक स्थल घोषित होने के विरोध में जैन समाज द्वारा आज एक विशाल रैली निकाली गई रैली को सुबह 11 बजे से प्रारंभ होकर गोहद एसडीएम कार्यालय पर समापन हुआ। गोहद सकल दिगंबर जैन समाज गोहद के सभी बच्चे महिला एवं पुरुषों के साथ आज दिनांक 21-12 2022 को प्रातः 11-00 बजे श्री 1008 सुपार्श्वनाथदिगंबर जैन मंदिर नगरपालिका प्रांगण से एक विशाल रैली निकाली गई ज्योति दाऊजी मंदिर सदर बाजार नया बस स्टैंड इटायली गेट पान वाली गली सती बाजार गंज बाजार होते हुए निकली जिसका समापन एसडीएम कार्यालय गोहद पर हुआ यह रैली पवित्र तीर्थ क्षेत्र श्री सम्मेद शिखरजी को पर्यटक स्थल घोषित होने के विरोध में निकाली गई जिसमें धार्मिक आस्था को ध्यान में रखते हुए सपरिवार बच्चों सहित उपस्थित हुए लगभग 5 सैकड़ा से अधिक लोग इसमें शामिल रहे जहां राष्टपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर पर्यटक स्थल बनाने का निर्णय वापस लेने की बात कही।

प्राथमिक शाला पमाखेड़ी में बच्चों के लिए बनाई गयी लाइब्रेरी और बाल कैबिनेट का हुआ गठन

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। ग्राम पंचायत पमाखेड़ी में मॉडल स्कूल के तहत प्राथमिक शाला स्कूल पमाखेड़ी में समाजसेवी रामबाबू कुशवाहा, पिरमाल फाउंडेशन के गांधी फेलो अतुल कुमार ने बच्चों और शिक्षकों के सहयोग से विद्यालय में लाइब्रेरी बनाया। इस लाइब्रेरी के बनने से बच्चों को अब पाठ्यक्रम से इतर भी तमाम विषयों के बारे में पड़ने में मदद मिलेगी. साथ ही बच्चों के बीच नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए स्कूल में बाल संसद का गठन करवाया गया। जिसमें फाउंडेशन के गांधी फेलो अतुल कुमार ने विद्यालय के अध्यापकों के साथ मिलकर बाल

संसद का गठन 21 दिसंबर बुधवार को किया गया। इसका उद्देश्य बच्चों को देश के संसद के चुनावी प्रक्रिया बारे में सीखना। बच्चों को बाल संसद के गठन की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत तौर पर बताया गया । इसके अंतर्गत साथ मंत्री पद चुनाव की तिथि घोषित की गई। ये सात मंत्री पद हैं- प्रधानमंत्री, शिक्षा मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, जल एवं स्वच्छता मंत्री, संस्कृति एवं खेल मंत्री, और पर्यावरण मंत्री। बाल संसद के गठन हेतु प्रधानाचार्य पूरन चंद साहू ने इन सातों पदों पर विजय उम्मीदवार की घोषणा की इसके उपरांत जीते उम्मीदवार ने मंत्री पद की शपथ ली। फाउंडेशन के अतुल कुमार पब्लिक प्रोजेक्ट सिस्टम के तहत शिक्षा हमारी पहचान पर कार्य कर रहे हैं ।

भोपाल विधानसभा में दमोह के 9 शिक्षक हुए सम्मानित

पुष्पांजली टुडे

दमोह। शिक्षक संदर्भ समूह द्वारा आयोजित शिक्षाविद गिजुभाई जी पुरस्कार सम्मान समारोह मे दमोह जिले से चयनित शिक्षकों का विधानसभा के मानसरोवर हाल में शिक्षा के क्षेत्र मे उल्लेखनीय कार्य करने पर विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम, पूर्व मंत्री और दक्षिण पश्चिम भोपाल के विधायक, विधानसभा के सचिव ऐसी सिंह, पूर्व कमिश्नर डॉ.अशोक भार्गव शिक्षक संदर्भ के मुख्य शिक्षाविद डॉ. दामोदर जैन द्वारा गिजु भाई पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार में शील्ड, मेडल, प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह सम्मान पट्टिका पहनाकर दमोह से चौधरी राजकुमार जैन जिला समन्वयक, चंद्र कुमार जैन, महेन्द्र दीक्षित, इसरार खान, श्रीमती संध्या तंतुवाय, भूपेंद्र जैन, श्रीमती शीला पटेल, विमल पटेल, श्रीमती संगीता सिंह का सम्मान किया गया। सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं यह सम्मान पाकर गौरवान्वित हैं एवं बच्चों को और बेहतर शिक्षा देने का निरंतर प्रयास जारी रहेगा एवं नित नव-नव नवाचार करते रहेंगे। यह सभी शिक्षकों ने ठानी है, और बेहतर शिक्षा बनाने हैं।

कलेक्टर भिण्ड श्री सतीश कुमार एस ने स्काउट गाइड को किया संबोधित

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

भिंड। कलेक्टर जिला भिंड श्री सतीश कुमार एस द्वारा भारत स्काउट एवं गाइड जिला भिण्ड द्वारा जिला स्तरीय द्वितीय सोपान स्काउट एवं गाइड जांच शिविर चौधरी दिलीप सिंह लॉ कॉलेज भिंड में दिनांक 16 दिसंबर से 20 दिसंबर 2022 तक आयोजित किया गया जिसमें 19 दिसंबर 2022 को शिविर समापन की पूर्व संध्या स्काउटिंग कैंप फायर में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिंड श्री जेके जैन उपस्थित हुए साथी शिविर के संरक्षक रूम में जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला स्काउट कमिश्नर भिंड श्री हर भवन सिंह तोमर उपस्थित रहे जिसमें जिले की 23 शासकीय स्कूल के 1 सैकड़ा से अधिक स्काउट गाइड ने बढ़ चढ़कर भाग लिया शिविर में ,स्काउट गाइड को प्रशिक्षण भी दिया गया प्रशिक्षण उपरांत जो प्रशिक्षण दिया गया उसकी परीक्षा भी कराई गई जांच में जो बच्चे सफल हुए उनको द्वितीय सोपान का प्रमाण पत्र जिला द्वारा दिया जाएगा शिविर का शिविर का संचालन जिला शिक्षा अधिकारी महोदय के मार्गदर्शन में श्री अतिबल सिंह जिला संगठन आयुक्त स्काउट द्वारा किया गया शिविर में 115 स्काउट गाइड और यूनिट लीडर ने प्रतिभागी के रूप में भाग लियाशिविर के द्वारा प्रतिभागियों को एक विशेष प्रकार के प्रशिक्षण दिए गए जिसमें आपदा प्रबंधन बिना बर्तन के भोजन बनाना प्राथमिक चिकित्सा अनुमान लगाना और मार्च पास्ट अनुशासन तंबू लगाना तंबू खोलना और फोल्ड करना एवं कम से कम सीमित संसाधनों में जीवन यापन करने की कला आदि का प्रशिक्षण दिया गया शिविर समाप्ति की पूर्व संध्या पर ग्राण्ड केम्प फायर का आयोजन

किया गया जिसमें मुख्य अतिथि जिलाधीश महोदय द्वारा स्काउट गाइड को स्वावलंबी बनने के लिए स्काउटिंग के इस खेल के माध्यम से अपने जीवन मैं और निखार लाने के लिए प्रयत्नशील रहे सही दिशा के मार्ग पर काम करें किसी भी छोटी से छोटी चुनौती को कभी छोटा न मानते हुए उसका डटकर सामना करें, कलेक्टर महोदय द्वारा जिले की स्काउटिंग की गतिविधि हर विद्यालय तक पहुंचे इसलिए सभी जिले के पदाधिकारियों को निर्देशित किया साथी विशेष अतिथि श्री जैन साहब द्वारा बच्चों को स्काउटिंग के माध्यम से राष्टपति अवार्ड तक पहुंचने के लिए अपने शिक्षक व स्काउट मास्टर के मार्गदर्शन में काम करने की सलाह दी कार्यक्रम समापन जिला शिक्षा अधिकारी महोदय श्री तोमर द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद के साथ आभार वर्धन किया कार्यक्रम में विकास खंड शिक्षा अधिकारी पदेन ब्लॉक स्काउट कमिश्नर गोहद श्री नरेंद्र सिंह तोमर एवं बीआरसी भिंड राम बिहारी शर्मा एवं श्री श्याम सिंह भदोरिया जिला अध्यक्ष शिक्षक संघ भिंड तथा शिक्षा विभाग के सम्मानीय संबंधित प्राचार्य श्री एमके ताइल शिविर के कार्यक्रम में उपस्थित रहे प्रशिक्षक एवं परीक्षक के रूप में श्री सतीश कुमार शर्मा जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट भिंड श्री महेश कुमार कनेरिया शासकीय बालक उमावि गोरमी , श्रीमती अनुभव यादव श्रीमती रिशमा भदोरिया श्रीमती राम जानकी श्री उमाशंकर शाक्य अतिथि ,श्री अमर सिंह विमल उमेश सिंह राजपूत श्री सत्यनारायण चतुर्वेदी सर्विस रोवर देवेंद्र सिंह यादव श्री विशाल शर्मा शिविर को सफल बनाने में अपना समय देकर शिविर को सफल बनाया।

भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश भटेरे के हस्ते हुआ 70 लाख रूपये की लागत से विकास कार्यों का भूमिपूजन

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

लांजी- लांजी जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम पंचायत कलपाथरी एवं पाथरगांव में संयुक्त रूप से 21 दिसंबर को विभिन्न निर्माण कार्यों को लेकर भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें सभी कार्यों के भूमिपूजन भारतीय जनता पार्टी के जिले अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रमेश दिलीप भटेरे के हस्ते पूर्ण हुये। भूमिपूजन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे, गुलाबचंद खोब्रागड़े, श्रीमती ज्योति ईश्वर उमरे, पूर्व जिला पंचायत सभापति हीराचंद आसटकर, विजय खेरे, अविनाश रैंच, नीलचंद हरिनखेडे, सरपंच नेहल गौतम, सरपंच रमपुरा विनय कुशले, सरपंच पुष्पा ठाकरे देवलगांव, युवराज पटले जनपद सदस्य, मीराबाई ऐडे, जागृति ऐडे, सरपंच ग्राम पंचायत कलपाथरी लिकेश खुमेन्द्र ऐडे, सरपंच ग्राम पंचायत पाथरगांव अरूण चुड़ामन कबीरे सहित गणमान्य जन मंच पर उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ देवेश ऐड़े के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर की गई तदोपरांत मंचासीन कार्यक्रम आयोजित किए गए।

रमेश भटेरे ने किया 70 लाख रूपये के निर्माण कार्यो का भूमिपूजन-भूमिपूजन समारोह मे सर्वप्रथम भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश भटेरे एवं समस्त आमंत्रित अतिथियों के द्वारा ग्राम पंचायत कलपाथरी एवं पाथरगांव को 70 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने वाले कार्यों का भूमिपूजन किया गया जिसमें ग्राम पंचायत कलपाथरी में शासकीय प्राथमिक कन्या शाला में दो अतिरिक्त कक्ष लागत 14 लाख 80 हजार एवं शासकीय प्राथमिक शाला बाजारटोला कलपाथरी में 02 अतिरिक्त कक्ष लागत 14 लाख 80 हजार। ग्राम पंचायत पाथरगांव में शासकीय प्राथमिक शाला गोंडीटोला लागत 12 लाख रूपये एवं शासकीय प्राथमिक शाला भवन झिंगुटोला लागत 12 लाख रूपये, इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत पाथरगांव में आंगवाडी केन्द्र क्रमांक-2 लागत 7 लाख 80 हजार एवं केन्द्र क्रमांक 3 लागत 7 लाख 80 हजार रूपये की लागत से उक्त संपूर्ण निर्माण कार्यो का निर्माण किया जायेगा। आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दुलीचंद राजनीरे, हीराचंद आसटकर, विजय खेरे, देवेश ऐडे, सरपंच अरूण कबीरे एवं सरपंच लिकेश ऐडे, मदन धनोले ने भी सभा को संबोधित किया गया।

सबका साथ सबके विकास, सबके विश्वास के साथ कार्य करती है भाजपा- रमेश भटेरेभूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्यअतिथि की आसंदी से रमेश भटेरे के द्वारा कहा गया की ग्राम पंचायत कलपाथरी एवं पाथरगांव ने उक्त कार्यक्रम संयुक्त रूप से आयोजित किये है दोनो सरपंच बधाई के पात्र है, जिन्होने इस प्रकार से एकता का परिचय दिया है और यंहा दोनो ग्रामों की जनता एकसाथ उपस्थित है। आपने बताया की ऐसा पहली बार हुआ है कि मुझे किसी कार्य के लिये प्रस्ताव पंचायत द्वारा दिया गया है और महज 4 दिनों में उसकी प्रशासकिय स्वीकृति प्राप्त हुई हो। आपने आगे बताया की मोदी है तो मुमकिन है और शिवराज है तो संभव है। क्योंकि आज प्रदेश में अनेको योजनाऐं आप जनता के संचालित है, किसानों को उनकी फसल का सही मूल्य प्राप्त हो रहा है तथा प्रतिवर्ष समर्थन मूल्य 70 से 100 की बढोत्तरी होगी ऐसा मोदी जी के द्वारा प्रबंध कर दिया गया है। आज महिलाओ की बात करे तो केवल लांजी क्षेत्र की स्व सहायता समूह के माध्यम से 22 हजार महिलाऐं कार्यरत है जो कि पुरूषो के साथ कंध से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है इसका जीवंत उदाहरण हम कल ही दिघोरी में हॉटबाजार के शुभारंभ मे तथा वर्तमान में धान खरीदी केन्द्र में महिलाऐं एवं राशन दुकान भी महिलाएं ही संचालित करेगी। आपने युवाओं को, विद्यार्थीयो को भी संबोधित करते हुये कहा की आपके शिवराज मामा आपके अध्ययन की पूर्ण चिंता करते है आज एमबीबीएस हो या इजीनियरिंग या अन्य कोई उच्च शिक्षा जिसमे सिर्फ बच्चो को परीक्षाऐं पास करनी है संपूर्ण खर्चा चाहे 50 लाख हो या 60 लाख शिवराज सरकार उठायेगी आपकी भारतीय जनता पार्टी की सरकार उठायेगी बस आप यह ध्यान रखो की आपके बच्चे आर्थिक परेशानी के कारण शिक्षा से वचिंत ना रहे पाये, आपने ठेमा अमेडा के एक बालक का उदाहरण भी दिया। आगे आपने कलपाथरी पाथरगांव से लगे मार्गो के बारे मे बताया की जल्द ही सुदूरू ग्राम संडक योजना, पीएम सडक योजना, मुख्यमंत्री सड? योजना से कार्य पूर्ण करवाये जायेंगे जिससे स्कूल में अध्ययन करने वाले बच्चो की परेशानी खत्म हो।ये रहे उपस्थित-मोहनलाल ऐडे, अमित घोंघडे, छोटेलाल उइके, हेमचंद धनोले, चमनलाल चौके, संजय सरवरे, गुणीराम रणदिवे, भूलचंद ऐडे, अमृतलाल ऐडे, मोतीराम रणदिवे,चुडेन्द्र उरोडे, मानिकचंद उरोडे, महेन्द्र रणदिवे, रामचंद भौतिक, बलिराम राउत, धनीराम धारणे, डॉ रामप्रसाद ऐडे, चित्तुलाल ऐडे, एनएल रहांगडाले, गौचंद बिसेन, उपसरपंच लालचंद नौखरे, नरेन्द्र डोंगरे उपसरपंच,डा राधेश्याम ऐडे, राजेन्द्र ऐडे, रेवाजी ऐडे, मोहित अग्रवाल, भोजराज नौखरे, सहित बडी मात्रा में स्वसहायता समूह की महिलाऐं एवं ग्राम के गणमान्य नागरिक एवं जनता जर्नादन उपस्थित रही।

विधायक के निवास पर हुआ विचार संगोष्ठी आयोजन

पुष्पांजली टुडे

दमोह। संत गाडगे बाबा जी के परिनिर्वाण दिवस पर बहुजन समाज पार्टी द्वारा विधायक रामबाई सिंह परिहार के निवास स्थान पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पथरिया विधानसभा क्षेत्र के लोग एवं स्थानीय बसपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मां. इंजी रमाकांत पिप्पल प्रदेश अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी, पथरिया विधायक रामबाई इंजी गोवर्धन राज अध्यक्ष जिला बसपा, आशाराम चौधरी जिला प्रभारी अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संत गाड़गे बाबा को अपनी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके संघर्षमय जीवन पर प्रकाश डाला। इसके बाद एक ज्ञापन राज्यपाल के नाम कलेक्टर को सौंपा गया। जिसमें बताया गया की दमोह जिले में विगत दिनों निर्मम, जघन्य हत्याएं अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों की दबंगों द्वारा की गई है ग्राम हिनौती में घनश्याम अहिरवार जो जिंदल कंपनी नल जल योजना मैं सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत था जो संदिग्ध अवस्था में मृत पाया गया जिसकी सीबीआई से जांच की मांग की गई एवं आर्थिक सहायता देने को ज्ञापन में कहा गया और शासन दबंग द्वारा चरनोई भूमि पर कब्जा ना हटाते हुए सिर्फ गरीब दलित आदिवासी पिछड़ों के छोटे-छोटे जीवन यापन के खेत पर ही बुलडोजर चला रही है, इससे उनकी और स्थिति दयनीय हो गई है विस्थापन नीतियों को सही प्रकार से क्रियान्वित नहीं किया जा रहा है वहां भी भेदभाव देखने को मिल रहा है। ग्राम चौनपुरा में अनुसूचित जाति जनजाति के सदस्यों को 50 से 60 वर्ष पूर्व मध्य प्रदेश शासन द्वारा कृषि भूमि हेतु पट्टे दिए गए थे विस्थापन नीति के तहत उचित मुआवजा, व्यवस्थापन व नौकरी की मांग ज्ञापन में की गई है। कार्यक्रम में विशेष रुप से दिनेश मिश्रा जोगेंद्र चौधरी भूपेंद्र सोनी चिंतामन अहिरवार दिनेश चौधरी शुजात खान नरेंद्र चौधरी केएल लारिया रामचरण कुशवाहा भानु प्रताप सिंह संदीप चौधरी ऋषभ नायक लकी तंतुवाय सुरेंद्र चौधरी प्रवीण जैन उषा राज नीलेश अठया भगवानदास चौधरी संतोष भारती कैलाश बौद्ध परसराम, संतोष रोहित, शोभा लाल पटेल रतनलाल आदि उपस्थित थे।

संगठनात्मक कार्यक्रमों की कार्य योजना को लेकर भाजपा की 26 मंडलों की बैठक संपन्न

51त्न वोट बढ़ाने के संकल्प को लेकर कार्यकर्ता बूथ केंद्रों पर भाजपा की शक्ति को सुनामी में बदलें देवेंद्र सिंह नरवरिया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने कहा भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित दल है संगठनात्मक कार्यक्रमों और केंद्र और राज्य सरकार की गरीब कल्याणकारी योजनाओं को गरीब मजदूर और किसानों तक ले जाकर उन्हें लाभ दिलाने का काम करें संगठनात्मक कार्यक्रम से हर बूथ पर निवासरत लोगों को भाजपा की विचारधारा से जोड़ने का काम करें और हितग्राहियों को समझाने का कार्य भी पार्टी के कार्यकर्ताओं को करना है ताकि हम मिशन 2023 विधानसभा और 24 लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा बनकर विकास के लिए मजबूती से कार्य करें यह उद्गार उन्होंने भाजपा में मेहगांव मंडल बैठक को संबोधित करते हुए व्यक्त किया । जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा सेवा ही संगठन पर आधारित रही है पार्टी के कार्यकर्ता समर्पित भाव से सत्ता और संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर केंद्रित करते हुए मजबूती प्रदान की। कटनी में संपन्न हुई भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी नेतृत्व ने नारा दिया कि अबकी बार 200 पार इस भाव संकल्प को लेकर कार्यकर्ता अपने बूथ पर संगठनात्मक कार्यक्रमों को अमलीजामा पहनाने के लिए अपनी जिम्मेदारी का पूर्ण रूप से निर्वाह करते हुए सरकार की गरीब कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें।भाजपा जिला अध्यक्ष नरवरिया ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की कार्य योजना को जिले से आए पार्टी के पदाधिकारियों को समझाइश देते हुए कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धा अटल बिहारी वाजपेयी का 25 दिसंबर को जन्मदिन है जिसे पार्टी पूरे प्रदेश में सुशासन दिवस के रूम में मनाने जा रही है कार्यकर्ता इस दिन अपने अपने बूथ पर ग्रामीण और शहरी अंचल में श्रद्धा अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र को केंद्रित करते हुए वहां पुष्पांजलि अर्पित करें और जनता के बीच संगोष्ठी के माध्यम से अटल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर समझाने का कार्य करेंगे। पार्टी जिला अध्यक्ष नरवरिया ने कहा कि इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम हम सबके लिए लोकप्रिय हैं जिनके अद्भुत विचार हम सबको प्रेरणा देते हैं इस कार्यक्रम को जिले के 1480 मतदान केंद्रों पर इस कार्यक्रम को प्रभावी बनाते हुए स्क्रीन टीवी लगाकर ग्रामीण और

शहरी जनता को सुनाएं ताकि उनके विचार जनता को सुनने के लिए मिले। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब एवं किसानों के लिए कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया गया है जिन्हें हम जनता के बीच ले जाकर लाभार्थियों के बीच उपलब्धियों को सुशासन पर करना उन्हें समझाइश दें। उन्होंने बताया कि अटल जी की कविताओं पर काव्यांजलि का का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी मिशन 2023 विधानसभा 2024 लोकसभा चुनाव को दृष्टिकोण रखते हुए मंडल इकाइयों के पदाधिकारी अपने-अपने भूत केंद्रों पर 51त्न वोट बढ़ाने के संकल्प को साथ लेकर कार्य करें और भाजपा की चुनावी को तूफान में बदल बदल कर संगठन की मजबूती प्रदान करते हुए संगठनात्मक कार्यक्रमों को प्रभावी गति से संपन्न कराने में कार्यकर्ता अपनी अहम भूमिका निभाए। बैठक को जिला मंत्री एवं मेहगांव विधानसभा के प्रभारी उपेंद्र राजौरिया सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष केपी सिंह भदौरिया मंडल अध्यक्ष पूर्व जगदीश शर्मा एनजीओ प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नीरज शर्मा ने संबोधित किया। इस अवसर सरपंच प्रभात किशोर दुबे लला, बारेलाल जाटव मंचासीन थे बैठक का संचालन रोहित करैया एवं आभार व्यक्त मंडल उपाध्यक्ष कालीचरण शाक्य ने किया।

भिंड जिले के एक साथ 26 मंडलों की बैठकों में मंडल प्रभारियों ने कार्यकर्ताओं को बैठक में निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई जिसमें सुशासन दिवस 25 दिसंबर, नगरीय निकाय जनप्रतिनिधि प्रशिक्षण, सोशल मीडिया प्रशिक्षण, लाडली लक्ष्मी योजना सम्मेलन स्तर पर महिला मोर्चा द्वारा, खेल प्रतियोगिता एवं रॉक कार्यक्रम, विधानसभा स्तर खिलाता कमल, भाजयुमो द्वारा, संगठन ने ऐप एवं उसकी कार्य योजना, 2003 के पूर्व कांग्रेस सरकार की स्थिति को बताने वाली संगोष्ठी में विधानसभा स्तर पर आयोजित की जाएंगी।कार्यक्रमों को गति प्रदान करने के लिए 23 दिसंबर शक्ति केंद्र, 25 दिसंबर को बूथ स्तर की बैठक करें और संगठनात्मक आरोपों की कार्य योजना बनाने में सहयोग कर कार्यक्रम को प्रभावी गति प्रदान करने के के लिए मार्गदर्शन किया। जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह भदौरिया पीपरी मंडल, शिवराज सिंह यादव जिला उपाध्यक्ष फूप मंडल, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी जैन महाराणा प्रताप मंडल, जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र शर्मा गोहद नगर, जिला मंत्री अनिल सिंह कुशवाह भिंड ग्रामीण, जिला उपाध्यक्ष सुधा राठौर दंदरौआ मंडल , जिला उपाध्यक्ष निहाल सिंह राणा मंडल मौ, जिला मंत्री राघवेंद्र सिंह भदौरिया गोरमी, जिला उपाध्यक्ष रमेश सिंह तोमर मालनपुर, रंजीत सिंह कुशवाह सुरपुरा, जिला उपाध्यक्ष अनिल कटारे ऊमरी, डॉ तरुण शर्मा को सोनी मंडल, जिला महामंत्री धीर सिंह भदौरिया असवार, जिला महामंत्री कमल शर्मा आलमपुर, जिला महामंत्री धर्म सिंह भार्गव अमायन, जिला मंत्री उपेंद्र राजौरिया मेहगांव मंडल, शैलेंद्र सिंह गुर्जर जिला मंत्री लहार, जिला मंत्री फरेंद्र सिंह सिकरवार दमोह, जिला मंत्री राजेश सिंह कौरव मिहोना, जिला मंत्री पिंकी शर्मा वन खंडेश्वर मंडल, जिला मंत्री रश्मि खटीक अटेर, जिला मंत्री राधाकृष्ण शर्मा गोहद ग्रामीण, अवनीश उपाध्याय जिला मंत्री चितौरा,शिव प्रताप सिंह जिला मंत्री रौन, जिला कोषाध्यक्ष मनोज शास्त्री मछंड, राजकुमार जैन सुभाष चंद्र बोस मंडल में जाकर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन करते हुए संगठनात्मक कार्यक्रमों के लिए प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और कहा कि हम सब अपने कार्यक्रमों को बूथ स्तर पर संपन्न कराने में अपनी अहम भूमिका निभाए।

एमएलडी कोचिंग इंस्टिट्यूट पर संपन्न हुई विभिन्न प्रतियोगिताएं

केशब पंडित जी पत्रकार अम्बाह

अम्बाह। आज एमएलडी कोचिंग इंस्टीट्यूट पर आयोजित हुई सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिवानी शर्मा, द्वितीय स्थान श्याम प्रजापति तथा तृतीय स्थान राशि राठौर ने प्राप्त किया दूसरी प्रतियोगिता इंग्लिश ग्रामर कंपटीशन में प्रथम स्थान रितु तोमर द्वितीय स्थान समर्थ तोमर तथा तृतीय स्थान पीयूष तोमर ने प्राप्त किया! इस अवसर पर संस्था के संचालक आर एस राठौर ने बताया इस प्रतियोगिताओं का उद्देश्य छात्र-छात्राओं के अंदर छुपी प्रतिभाओं को निखारना था इसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया इस अवसर पर विजेताओं को ट्रॉफी एवं मेडल देकर सम्मानित किया इस अवसर पर अन्य छात्र सौम्या तोमर, मंगल राठौर, समर्थ तोमर, आदित्य राठौर,अंबिका शर्मा, खुशबू राठौर, साहिल राठौर,अनिवेश शर्मा आदि छात्र-छात्रा उपस्थित रहे।

प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण को हटाकर मकानों को किया जमींदोज

घाटीगांव मोहना

प्रशासन ने नगर परिषद मोहना में आज अवैध अतिक्रमण को हटाकर मकानों को जमींदोज करने की बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है विजय सिंह धाकड़ एवं अन्य लोगों ने सर्वे क्रमांक 1700 में किया था अतिक्रमण इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा है। अवैध अतिक्रमण को जेसीबी मदद से ध्वस्त किया गया है। बुधवार को जिला प्रशासन के निर्देश पर एसडीएम, एसडीओपी एवं प्रशासनिक अमला क्षेत्र के ग्राम बड़ी में अवैध अतिक्रमण हटाने पहुंचा। जहां प्रशासन की तैयारियों को देखकर मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहा। वहीं विजय सिंह परिवार के लोगों ने कहा कि प्रशासन ने कोई नोटिस नहीं दिया है

साउथ एक्ट्रेस सामंथा ने छोड़ीं बॉलीवुड फ़िल्में, जानिए आखिर उन्होंने क्यों लिया यह फैसला

रिपोर्ट्स की मानें तो 35 साल की एक्ट्रेस ने यह फैसला अपनी बीमारी के चलते लिया है। बताया आ रहा है कि सामंथा लंबा ब्रेक लेने की प्लानिंग कर रही हैं, ताकि वे अपनी बीमारी से पूरी तरह रिकवर हो सकें। दरअसल, समानता रुथ प्रभु मायोसाइटिस नाम के दुर्लभ ऑटोइम्यून डिसीज से जूझ रही हैं। यही वजह है कि उन्होंने अपनी पिछली फिल्म यशोदा का प्रमोशन तक नहीं किया था। रिपोर्ट्स की मानें तो वेब सीरीज द फैमिली मैन सीजन 2 से हिंदी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में डेब्यू कर चुकीं सामंथा ने कुछ बॉलीवुड फ़िल्में साइन की थीं। लेकिन अब उन्होंने इनके मेकर्स को इन्फॉर्म कर दिया है कि वे लंबा ब्रेक चाहती हैं। इसलिए वे इन प्रोजेक्ट्स में काम नहीं कर पाएंगी।

सामंथा पिछली बार फिल्म यशोदा में दिखाई दी थीं, जिसे दर्शकों और क्रिटिक्स का ढेर सारा प्यार मिला था। उनकी अपकमिंग फिल्म खुशी है। शिवा निर्वाणा के निर्देशन में बन रही यह रोमांटिक ड्रामा अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एंटरटेनमेंट डेस्क. साउथ इंडियन फिल्मों की सबसे पॉपुलर, खूबसूरत और महंगी एक्ट्रेसेस में से एक सामंथा रुथ प्रभु ने बॉलीवुड फिल्मों से अपने पैर पीछे ले लिए हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो 35 साल की एक्ट्रेस ने यह फैसला अपनी बीमारी के चलते लिया है। बताया आ रहा है कि सामंथा लंबा ब्रेक लेने की प्लानिंग कर रही हैं, ताकि वे अपनी बीमारी से पूरी तरह रिकवर हो सकें। दरअसल, समानता रुथ प्रभु मायोसाइटिस नाम के दुर्लभ ऑटोइम्यून डिसीज से जूझ रही हैं। यही वजह है कि उन्होंने अपनी पिछली फिल्म यशोदा का प्रमोशन तक नहीं किया था। रिपोर्ट्स की मानें तो वेब सीरीज द फैमिली मैन सीजन 2 से हिंदी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में डेब्यू कर चुकीं सामंथा ने कुछ बॉलीवुड ड़िल्में साइन की थीं। लेकिन अब उन्होंने इनके मेकर्स को इन्फॉर्म कर दिया है कि वे लंबा ब्रेक चाहती हैं। इसलिए वे इन प्रोजेक्ट्स में काम नहीं कर पाएंगी। मेकर्स ने सामंथा की समस्या को समझा और वे अब उनकी जगह दूसरी एक्ट्रेसेस को लाने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स में आगे लिखा है कि सामंथा अपनी अपकमिंग फिल्म खुशी की शूटिंग कंप्लीट करना चाहती हैं, जिसमें उनके हीरो विजय देवरकोंडा हैं। लेकिन इसके बाद फिल्मों से दूरी बनाना चाहती हैं। सामंथा की टीम ने इस बारे में दूसरे प्रोजेक्ट्स के मेकर्स को इस बारे में इन्फॉर्म कर दिया है। इनमें वे प्रोजेक्ट्स भी शामिल हैं, जो सामंथा साइन कर चुकी हैं और वे भी शामिल हैं, जिनके लिए उनकी पिछले कुछ महीनों से बात चल रही है। सितम्बर में सामंथा रुथ प्रभु ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर जानकारी दी थी कि वे मायोसाइटिस नाम की ऑटोम्यून कंडीशन से गुजर रही हैं। सामंथा ने यह भी बताया था कि वे ऐसा मानकर चल रही थीं कि वे इस बीमारी से जल्दी रिकवर हो जाएंगी, जिकके बाद वे फैन्स को इस बारे में बताना चाहती थीं। लेकिन जब उन्हें लगा कि रिकवरी में समय लग रहा है तो उन्होंने इसके बारे में पहले ही खुलासा कर दिया।

शाहरुख खान की चमड़ी उधेड़ जिंदा जलाऊंगा, सलमान-आमिर को दूंगा मौत, संत परमसहंस की खुलेआम धमकी

पठान का गाना बेशरम रंग विवादों में है। हर कोई इस पर अच्छा-बुरा बोल रहा है। पहले इसके गाने के हटाने के लिए राष्टीय मानवाधिकार में शिकायत की गई। अब शाहरुख खान को जिंदा जलाने की धमकी मिली है। अयोध्या के संत परमहंस ने सलमान खान और आमिर खान के लिए भी विवादित बयान दिया है। शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म पठान पर लगातार विवाद बढ़ता जा रहा है। इस मूवी के गाने बेशरम रंग को जहां हटाने के लिए जहां याचिका दायर की गई है वहीं अब एक्टर को जलाने की बात कही जा रही है। विवादों के बीच इस तरह का विवादित बयान देने वाले कोई और नहीं बल्कि अयोध्या के संत जगतगुरु परमहंस आचार्य हैं। उन्होंने धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि फिल्म के गाने ने भगवा रंग का अपमान किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अयोध्या के संत जगतगुरु परमहंस ने विरोध जताया है। उन्होंने कहा है कि हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने के लिए ये सोची समझी साजिश है। लोगों ने इसे पैसा कमाने का धंधा बना लिया है। उन्होंने कहा कि ये मूवी जिहाद है। पूरी प्लानिंग करके इसे बनाया जाता है। इसलिए आज उन्होंने शाहरुख का पोस्टर जलाया है और जिस दिन उन्हें एक्टर मिल गए, उसे वह जिंदा जला देंगे। मैं उसे ढूंढ रहा हूं। जिस दिन मुझे वो जिहादी मिल गया, उसकी चमड़ी उधेड़कर जिंदा जला दूंगा। संत के बिगड़े बोल यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा- मेरे कई आदमी मुंबई में उसकी तलाश कर रहे हैं। जिसे भी वो पहले मिले, वो सनातनी शेर उसको जिंदा जला दे। मैं उसके परिवार को आर्थिक मदद दूंगा। वैसे मैंने तीन लोगों के नाम लिखे हैं। एक शाहरुख खान तो है ही। इसके अलावा सलमान खान और दूसरा आमिर खान भी हैं जिनके लिए मैंने सजा-ए-मौत तय कर ली है। बता दें कि दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान पर फिल्माए गाने बेशरम रंग पर आए दिन विरोध हो रहा है। इसमें एक्ट्रेस ने भगवा बिकिनी पहनी है, जिस वजह से हर कोई तिलमिलाया हुआ है। हाल ही में एक्टिविस्ट दानिश खान ने राष्टीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत की है और इस गाने को हटाने की मांग की है। कहा है कि गाना हिंदू-मुस्लिम एकता की भावनाओं को आहत करने वाला है, इसलिए उसे हटाया जाना चाहिए।

सुहाना खान और खुशी कपूर पहुंचीं द आर्चीज़ रैपअप पार्टी में

जोया अख्तर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म द आर्चीज की शूटिंग अब पूरी हो चुकी है और फिल्म की रैप-अप पार्टी भी रखी गई। रैपअप पार्टी में पहुंचीं सुहाना खान और खुशी के वीडियो इस वक्त सुर्खियों में हैं। हालांकि, इन सबके बीच छोटा करण जौहर कहकर लोग किसी और की सबसे अधिक चर्चा कर रहे हैं। फिल्मी दुनिया के कई स्टार किड्स अब बॉलीवुड में अपनी पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। इन स्टारकिड्स में शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर, अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्या नंदा आदि नेटफ्लिक्स पर आनेवाली फिल्म द आर्चीज में नजर आएंगे। जोया अख्तर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग अब पूरी हो चुकी है और फिल्म की रैप-अप पार्टी भी रखी गई। इस पार्टी में फिल्म के क्रू और सितारे अपने खूबसूरत अंदाज में दिखे। इस दौरान सुहाना और खुशी की कई झलकियां सामने आई हैं। इन वीडियोज़ पर लोग छोटा करण जौहर और छोटी मलाइका अरोड़ा लिखकर कॉमेंट कर रहे हैं। अपनी फिल्म द आर्चीज़ की इसी रैपअप पार्टी में पहुंचीं सुहाना खान का वीडियो इस वक्त सुर्खियों में है। सुहाना रेड आउटफिट में जंच रही थीं और थोड़ी नर्वस भी नजर आईं। इस पार्टी में शामिल होने के लिए सुहाना खुशी कपूर के साथ एक ही कार से उतरीं। खुशी और सुहाना के साथ युवराज मेंडा भी मौजूद थे। अब इन वीडियोज़ पर लोगों ने तरह-तरह के कॉमेंट किए हैं। ज्यादातर लोगों ने युवराज को छोटा करण जौहर लिखा है। वहीं सुहाना के लिए छोटी मलाइका लिख रहे हैं। खुशी के लिए कुछ यूजर्स ने लिखा है कि वह दीपिका पादुकोण की याद दिला रही हैं, हो सकता है कि आनेवाले समय में वह अगली दीपिका पादुकोण साबित हों। नेटफ्लिक्स ने रैपअप पार्टी की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें पूरी टीम एक साथ नजर आ रही है। इन तस्वीरों में क्रू केक काटते दिख रहे हैं। नेटफ्लिक्स ने कैप्शन में लिखा है, अपना मिल्कशेक लें और आर्चीज कहें, क्योंकि फिल्म की शूटिंग खत्म हुई है और हम इस गैंग को स्क्रीन पर देखने का और इंतजार नहीं कर सकते। फिल्म ओटीटी प्लैटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस फिल्म से सुहाना खान, अगस्त्य नंदा और खुशी कपूर एक्टिंग डेब्यू करते नजर आएंगे। यह फिल्म साल 2023 में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में मिहिर आहूजा , वेदांग रैना और युवराज मेंडा भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म द आर्चीज में सुहाना खान वेरोनिका लॉज की भूमिका में, अगस्त्य आर्ची एंड्रयूज के रोल में, खुशी बेट्टी कूपर की भूमिका में और वेदांग रैना को जगहेड जोन्स के रूप में नजर आएंगे।

लैरींगाइटिस की शिकार हुईं उर्फी जावेद

उर्फी जावेद दुबई ट्रिप के दौरान हॉस्पिटलाइज हो गई। चेकअप के बाद पता चला कि वो एक गंभीर बीमारी की चपेट में आ गई हैं। उस बीमारी का नाम हैं लैरींगाइटिस। आइए जानते हैं इस बीमारी के बारे में और इसके लक्षण और ट्रीटमेंट क्या है। हेल्थ डेस्क. अजीबो गरीब ड्रेस पहनने और बेहद ही बोल्ड अदाएं दिखाने वाली उर्फी जावेद को दुबई ट्रिप के दौरान अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। जांच में पता चला कि वो लैरींगाइटिस नामक बीमारी की शिकार हो गई हैं। अदाकारा ने खुद इस बात की खबर अपने फैंस को दी। कई लोगों को इस बीमारी के बारे में पता नहीं होगा, तो चलिए बताते हैं इस गंभीर बीमारी के बारे में। दरअसल, लैरींगाइटिस बीमारी गले के कनेक्टेड है। इस बीमारी में वोकल कॉर्ड्स में सूजन आ जाती हैं। जिसकी वजह से बोलने में परेशानी होती हैं। आवाज फटने लगता है। गले में दर्द भी रहता है। हालांकि यह बीमारी अपने आप ठीक हो जाती है। डॉक्टर की मानें तो 7 दिन के अंदर ये खुद ब खुद ठीक हो जाती है। लेकिन जब यह गंभीर स्थिति में पहुंच जाती है तो फिर ट्रीटमेंट की जरूरत पड़ती है।

लैरींगाइटिस का ट्रीटमेंट–लैरींगाइटिस अपने आप ठीक हो सकती है। यह केवल कुछ दिनों तक रहता है। लक्षण सात दिन के भीतर खत्म हो जाते हैं। लेकिन अगर गले में जलन या भी खराश के लक्षण तीन सप्ताह से अधिक समय तक बने रहते हैं तो इसे क्रोनिक लैरींगाइटिस माना जाता है। इसके बाद तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए। मरीज का डॉक्टर ब्लड टेस्ट करते हैं और एक्सरे के जरिए बीमारी कितनी गंभीर है उसका पता लगाते हैं। इसके बाद एंटीबायोटिक दवाओं और आंटी-इनफ्लमेटरी दवाओं चलाते हैं।

घरेलू उपचार–घरेलू उपचार भी इस बीमारी में कर सकते हैं। गुनगुने पानी में नमक डालकर गरारा करना।ज्यादा बोलने से बचना। बहुत सारे लिक्विड डाइट लेना शामिल होता है।

इन चीजों से होता है बचना–लैरींगाइटिस के शिकार मरीज को शराब सेवन करने से मना कर दिया जाता है। धूम्रपान बंद करने की सलाह डॉक्टर देते हैं। इतना ही नहीं, अगले कुछ हफ्तों तक सांस की स्टेरॉयड दवाओं के उपयोग की भी सलाह नहीं दी जाती है, जैसे अस्थमा इन्हेलर।

लाल रंग की साड़ी में बच्चे को ब्रेस्टफीड कराती आलिया भट्ट की तस्वीर वायरल

आलिया भट्ट की एक तस्वीर इस वक्त चर्चा में है जिसमें वह लाल रंग की साड़ी में बच्चे को ब्रेस्टफीड कराती दिख रही हैं। इस तस्वीर ने हर फैन्स के दिलों को छुआ, लेकिन हर किसी को इसपर यकीन भी नहीं हो रहा था। आइए, जानते हैं आलिया भट्ट की यह तस्वीर कितनी सच है। आलिया भट्ट की एक बहुत ही प्यारी सी तस्वीर सोशल मीडिया पर इस वक्त जमकर वायरल है। इस तस्वीर में आलिया लाल रंग की साड़ी में नजर आ रही हैं और गोद में बच्चा भी दिख रहा है। अपनी बच्ची को ब्रेस्टफीड कराती आलिया की यह तस्वीर जैसे ही सोशल मीडिया पर आई, काफी लोग हैरान हुए। दरअसल सोशल मीडिया पर भी आलिया अपनी पर्सनल लाइफ की चीजें कम ही शेयर करती हैं और ऐसे में यह तस्वीर एक बड़ा सवाल था कि क्या सच में ये आलिया ही हैं। आइए, जानते हैं इस तस्वीर के पीछे का सच। बता दें कि रणबीर और आलिया की शादी 14 अप्रैल 2022 को हुई और शादी के दो महीने बाद एक्ट्रेस ने अपनी प्रेग्नेंसी का अनाउंस किया था। आलिया ने अपने इंस्टाग्राम पर रणबीर के साथ एक तस्वीर शेयर की थी जिसमें वह सनोग्राफी कराती नजर आई थीं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए आलिया ने बताया था कि वह जल्द ही मां बनने वाली हैं। इसके बाद 6 नवंबर 2022 को उन्होंने एक प्यारी सी बच्ची को जन्म दिया। हालांरि आलिया ने बच्ची की कोई तस्वीर शेयर नहीं की और शेर वाली तस्वीर पोस्ट कर अपनी फैमिली के बढ़ने की खबर शेयर की। आलिया और रणबीर ने अपनी बच्ची का नाम राहा रखा और एक तस्वीर अचानक इंटरनेट की सुर्खियां बन गई। इस तस्वीर में आलिया बच्ची को

ब्रेस्टफीड कराती दिख रही हैं और कहा जा रहा है कि उनकी गोद में राहा ही है। हालांकि, सच ये है ही नहीं। आलिया ने मां बनने के बाद भी सोशल मीडिया पर कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं, लेकिन ऐक्ट्रेस या उनकी फैमिली के किसी सदस्य ने आलिया भट्ट की ऐसी कोई तस्वीर शेयर नहीं की है। जब इस फोटो की छानबीन की गई तो गूगल लेंस सर्च से पता लगा कि यह किसी और महिला और उसके बच्चे की तस्वीर है, जिसे मॉर्फ्ड कर आलिया की तस्वीर बनाकर किसी ने शरारत की है।

महिला किसान सम्मेलन का हुआ आयोजन

घाटीगांव मोहना

आज दिनांक 21 दिसंबर 2022 दिन बुधवार को विकासखंड घाटीगांव के ग्राम पंचायत दौरार में सृजन संस्था घाटीगांव द्वारा एक महिला किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 250 महिला किसान सम्मिलित में इस कार्यक्रम में कृषि विभाग से एवं नाबार्ड क्काद्ध व एसआरएलएम से अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिला किसानों को कीटनाशक दवाओं एवं रासायनिक खाद का उपयोग न करने पर समझाया गया एवं साथ ही बताया गया कि अधिकांश हम लोग खेती प्राकृतिक रूप से करें जिसमें समस्त महिलाओं ने कार्यक्रम के दौरान संकल्प लिया कि हम लोग प्राकृतिक खेती करेंगे। कार्यक्रम में क्काद्ध से रजनी गुप्ता, कृषि जिला अधिकारी ऋरू शाक्यवार, आत्मा परियोजना अधिकारी नरवरिया जी, नावार्ड ष्ठष्ठरूधर्मेन्द्र सिंह, क्क्षरूउदय आर्य, मलखान सिंह, स्क्ररूसे मुनेश्वर पांडेय एवं सृजन संस्था से प्रोग्राम डारेक्टर पुरुषोत्तम धाक?, जयदयाल, अनिल शामिल रहे।

ग्वालियर मुरार गुलाबपुरी में अवैध कब्जा हटाने हेतु तहसीलदार को दिया ज्ञापन

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर मुरार स्थित गुलाबपुरी में राम जानकी मंदिर की भूमि पर अवैध कब्जा हटाने एवं शासकीय भूमि पर रातों-रात 10 से 12 खंडों की निम भरकर निर्माण हो रहा है राम जानकी मंदिर की भूमि पर अवैध निर्माण हटाए जाने के लिए तहसीलदार को समस्त कॉलोनी वासियों द्वारा ज्ञापन दिया गया ज्ञापन में मुख्य बिंदु अवैध कब्जा हटाने हेतु एवं शासकीय भूमि दीवान जाटव के द्वारा बेची जा रही है 100 रु. के स्टांप पर नोटरी की जा रही है एवं शासकीय भूमि पर गुलाब पुरी वासियों द्वारा रोकने पर जोर जबरदस्ती से भवन निर्माण कर रहे हैं एवं झगड़ा करने पर उतारू है एवं आए दिन चोरी चौपाटी की घटनाओं को लेकर एक पुलिस चौकी बनाए जाने के लिए भी अवगत कराया जिसमें तहसीलदार के द्वारा 4 दिन में कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया अब देखना यह होगा कि शासन-प्रशासन इस पर कोई कार्रवाई करता है या नहीं

गीतकार मनोज मुंतशिर का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जलाया पुतला

कवि सम्मेलन में राहुल गांधी पर विवादित बयान के लगाए आरोप

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट
बीते दिनों भोपाल के एक कार्यक्रम में गीतकार मनोज मुंतशिर के राहुल गांधी पर दिए गए बयान को लेकर मध्यप्रदेश में सियासत अब गरमाती जा रही है। अब इस मामले को लेकर लांजी नगर के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मनोज मुंतशिर के खिलाफ नफरत का माहौल बनाने का आरोप लगाया है। बता दें कि मनोज मुंतशिर ने नाम लिए बिना ही राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि विदेशी माता से पैदा हुआ बेटा राष्ट्रभक्त हो ही नहीं सकता। इसी के विरोध स्वरूप बुधवार को सुभाष चौक लांजी में ब्लॉक कांग्रेस, शहर कांग्रेस, युवा कांग्रेस सेवादल और महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा मनोज मुंतशिर का पुतला दहन किया गया और मनोज मुंतशिर मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। इस कार्यक्रम में ऋषि दसरिया अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस बहेला, प्रमोद अग्रवाल अध्यक्ष शहर कांग्रेस, सौरभ मोनू पशीने विधानसभा अध्यक्ष युवा कांग्रेस, पूनम आसटकर पार्षद, तेजेश्वरी गोदुले पार्षद, मुकेश रणदिवे पार्षद, लिखेंद्र उपराड़े उपाध्यक्ष जिला आई टी सेल, विजय वारे पूर्व सरपंच बिसोनी, योगेंद्र बबली मिश्रा, पोषन मस्करे सरपंच चिचोली, विजय लिल्हारे सरपंच परसवाड़ा, सत्यवान मेश्राम, नीलकंठ मलगाम रोशनलाल कोल्हे, दीनाराम मेश्राम, गजानंद मड़ावी, महिला कांग्रेस से दुर्गा बड़गैया, मनीषा धारने पूर्व जिला पंचायत सदस्य, अफसाना अंसारी पूर्व पार्षद, तुमनलाल घोरमारे जनपद सदस्य, सिद्दीक अंसारी, सतीश चोरवाड़े, राजेश चौधरी देवलगांव, सुरेंद्र हरिनखेड़े उमरी, रामप्रसाद चोरवाड़े ,कैलाश कुराहे, अनिल सोनवाने, शैलेश टेंभरे,राजेश टेंभरे, संजीत ठाकरे, राजेश्वर चौधरी, राजकुमार बराई, बलवंत गिरिया, मुन्ना नगपुरे उपसरपंच, सालिकराम लिल्हारे, नेतराम बागड़े, आसिफ बेग, अतहर आलम सेवादल के अरशद भाई, रविंद्र धारने, अनिल सोनवाने के साथ युवा कांग्रेस के विधानसभा महासचिव अनमोल तिड़के और युवा कांग्रेस विधानसभा महासचिव मनीष जुझार और अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बहेला में भी फूंका गया पुतला–लांजी नगर के साथ साथ बहेला में भी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के द्वारा गीतकार मनोज मुंतशिर का विरोध कर उसका पुतला जलाया गया। इस दौरान कांग्रेस सेवादल ब्लाक अध्यक्ष सैयद अरशद, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेन्द्र खोंगल, पर्व सरपंच संजय मुन्ना वानखेड़े, पूर्व सरपंच जितेन्द्र हटीले, कोमल काडे, हरिराम वानखेड़े, सैयद नदिम उर्फ गुड्डू भाई, सुभाष नेवारे, लताजी मस्के, कमलऊके, तिलोकचंद ऊके, दामु फर्दे, रेखाराम फाये, सुरेश, नईम खान, संतोष नेवारे, गज्जू सोनवाने, प्रकाश क्षीरसागर अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इनका कहना है –

कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद सोनिया गांधी और उनके पुत्र पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वर्तमान सांसद राहुल गांधी जो आज पूरे देश भर में भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं उनके खिलाफ एक कवि सम्मेलन में मनोज मुंतशिर नामक एक कवि ने राहुल गांधी के खिलाफ जो शब्द कहे गए हैं मैं उसकी निंदा करता हूं जिसके विरोध स्वरूप नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा मनोज मुंतशिर का पुतला फूंका गया है अगर मनोज मुंतशिर की गिरफ्तारी नहीं की जाती है तो अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में हम सब के द्वारा धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रमोद अग्रवाल
अध्यक्ष नगर कांग्रेस कमेटी लांजी

एक कवि सम्मेलन में कवि मनोज मुंतशिर द्वारा एक महिला जो लोकतंत्र में 6 बार की सांसद रह चुकी है जिस पार्टी ने 70 साल तक देश को समर्पित होकर कार्य किया है उसके खिलाफ उस कवि ने जो आपत्तिजनक बात कही है मैं उसी घोर निंदा करता हूं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होना चाहिए।

ऋषि पटेल दसरिया
अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला

मनोज मुंतशिर नामक कवि ने एक कवि सम्मेलन में लोकतंत्र में 6 बार की सांसद रह चुकी कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ अपशब्दों का उपयोग किया है, जिस परिवार ने अपनी पूरी जिंदगी देश के नाम समर्पित कर दी जो देश के लिए अपनी जान निछावर करता है वह परिवार देशभक्त होता है देशद्रोही नहीं हो सकता। मनोज मुंतशिर के बोल उसकी घटिया मानसिकता को दर्शाते हैं।

पूनम शरद आसटकर
पार्षद वार्ड नं 3 लांजी

मनोज मुंतशिर नामक एक कवि ने हमारे पूर्व राष्टीय कांग्रेस अध्यक्ष वर्तमान सांसद सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ जो अपमानजनक शब्द कहे हैं हम उसी कड़ी निंदा करते हैं, मैं समझता हूं कि यह कवि की आवाज नहीं हो सकती। जरूर इस कवि ने किसी के इशारे पर किया है और वह इशारा मैं समझता हूं आर एस एस और बीजेपी की तरफ से है। मैं इसकी घोर निंदा करता हूं भारतीय जनता पार्टी इस तरह से अपने एजेंट बनाना बंद करें और ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करें अन्यथा पूरे देश के अंदर में कांग्रेसी एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ आंदोलन करेंगे आवाज उठाएंगे।

विजय वारे
पंच ग्राम पंचायत बिसोनी

भोपाल के सरकारी कार्यक्रम में आयोजित कवि सम्मेलन में मनोज मुंतशिर नामक लेखक और कवि उसने राहुल गांधी जो आज पूरे भारत देश में भारत जोड़ो यात्रा नफरत छोड़ो यात्रा का पैगाम लेकर निकले हैं पूरे भारत देश को एक सूत्र में पिरोने का काम कर रहे हैं उनको मनोज मुंतशिर ने विदेशी मां का लाल का उनके खिलाफ अभद्र टिप्पणियां की। मैं मनोज मुंतशिर से यह कहना चाहता हूं कि एक कवि और एक लेखक जो समाज को एक आईना दिखाता है ऐसे लोग एक विशेष पार्टी के लिए काम करने लगे सचमुच में ऐसा लगता है कि लोकतंत्र खतरे में है। उन्होंने सोनिया गांधी को विदेशी कहा है। ऐसी बात किसी लेखक के द्वारा एक कवि के मुंह से कहना बहुत दुर्भाग्य जनक है हम ऐसे भाजपा आरएसएस के दलाल कवियों की भरपूर निंदा करते हैं।

सौरभ मोनू पशीनेपार्षद वार्ड नं 11 लांजी

विनीत सिंह लोधी बने अध्यक्ष एबीवीपी कार्यकारणी छात्रों का हुआ विस्तार

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर-अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के वरिष्ठ जनों ने एबीवीपी का विस्तार करकट हुये । अध्यक्ष की घोषणा कर दी है आपको बता दे कि चेतकपुरी स्तिथि साइंस कॉलेज में एक अहम बैठक आयोजित की गई थी जिसमे राष्टीय कार्यकारणी की सर्व सहमति से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का विस्तार करते हुये अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्टीय कार्यकारणी सदस्यों की मौजूदगी में अध्यक्ष की घोषणा की गई, जिसमें पूर्व में सक्रिय सदस्य रहे विनीत लोधी को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद साइंस कॉलेज (अध्यक्ष) की जिम्मेदारी दी गई, कॉलेज की कार्यकारिणी का गठन काफी लंब्बे समय से होना था पर किसी कारण वश बिलंब हो रहा था जिसके लिये राष्टीय कार्यकारणी के नेतृत्व में सफल कार्यक्रम आयोजन किया गया था, आपको बता दे कि घोषणा के बाद सभी ने शुभकामनाये दी साथ उज्जवल भविष्य के लिये सभी नेविनीत लोधी को शुभकामनाये दी। जिसमे आशू राजावत,नवनीत लोधी , शिवम राजावत, भारत तोमर ,आदि लोग उपस्थित ।

कलेक्टर सिंह ने किया लोक सेवा केन्द्र एवं तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण

ग्वालियर । कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बुधवार के अपरान्ह में डबरा पहुँचकर लोक सेवा केन्द्र एवं तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने लोक सेवा केन्द्र प्रभारी को निर्देश दिए कि पिछले 6 माह की अवधि में लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से निराकृत हुए आवेदनों की जाँच कर यह पता लगाएँ कि कौन से आवेदन को कितने समय में निराकृत किया गया। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि यदि निराकरण में अनावश्यक देरी सामने आई तो संबंधित तहसीलदार एवं अन्य विभागीय अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। निरीक्षण के दौरान अपर जिला दण्डाधिकारी एचबी शर्मा भी उनके साथ थे।कलेक्टर सिंह ने जोर देकर कहा कि लोक सेवा केन्द्रों में आवेदनों का निराकरण ही पर्याप्त नहीं है, महत्वपूर्ण यह है कि आम आदमी को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सेवाएँ मिलें

गैर मलिन बस्ती के 132 परिवारों को लॉटरी से आवंटित किए आवास

ग्वालियर। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर निगम द्वारा बालभवन में हितग्रहियों को मकानों का आवंटन किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के गैर मलिन बस्ती में रहने वाले 132 परिवारों को मकानों का आवंटन लॉटरी पद्धति के आधार पर किया गय। वहीं 5 दिव्यांग हितग्राहियों को प्रथम तल पर आवास आवंटन किया गया। इस अवसर पर अपर आयुक्त मुकुल गुप्ता, संपदा अधिकारी अरविंद चतुर्वेदी एवं मनीष यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। संपदा अधिकारी चतुर्वेदी ने बताया कि नगर निगम आयुक्त किशोर कन्याल के निर्देशन में प्रधानमंत्री एवं राजीव आवास योजना के अन्तर्गत ईडब्ल्यूएस मलिन बस्ती एवं ई.डब्ल्यू. एस गैर मलिन बस्ती के हितग्राहियों को आवास का आवंटन किया जा रहा है।

प्रस्तावित सामूदायिक भवन की भूमि से हटाया अतिक्रमण

ग्वालियर । नगर निगम ग्वालियर के भवन शाखा एवं मदाखलत अमले द्वारा वार्ड क्रमांक 2 रामपुरी अम्बेडकर नगर में प्रस्तावित सामुदायिक भवन की जगह पर महेंद्र सिंह एवं मधु चौहान द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। भवन अधिकारी यशवंत मैकले ने बताया कि नगर निगम आयुक्त किशोर कन्याल के निर्देश पर वार्ड स्थित रामपूरी अम्बेडकर नगर में प्रस्तावति सामूदायिक भवन की भूमि की जांच कर वहां जिन लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया था उनका अतिक्रमण हटाकर भूमि को निगम के कब्जे में लिया गया। कार्यवाही के दौरान सहायक सिटी प्लानर ब्रजकिशोर त्यागी ,भवन अधिकारी यशवंत मेकले, क्षेत्राधिकारी राकेश कुशवाह एवं मदाखलत गैंग उपस्थित रहे।

तानसेन समारोहः पूरब और पश्चिम की सांगीतिक प्रस्तुतियों की भावनात्मक मिठास से रसिक हुए सराबोर

ग्वालियर । प्रेम, विरह व श्रृंगार से परिपूर्ण संगीत की भावनात्मक मिठास दिलों को जो?ती है। संगीत सरहदों में नहीं बंधता। संगीत का संदेश भी शास्वत है और वह है प्रेम। इस साल के विश्व संगीत समागम तानसेन समारोह में भी भारतीय शास्त्रीय संगीत के मूर्धन्य साधकों और सुदूर अफ्रीकन देश जिम्बाबे से आए संगीत कला साधकों ने अपने गायन-वादन से यही संदेश दिया। पूरब और पश्चिम की सांगीतिक प्रस्तुतियों का गुणीय रसिकों ने बुधवार की सुबह आयोजित हुई संगीत सभा में जीभरकर आनंद उठाया।

पारंपरिक ढंग से ध्रूपद गायन के साथ हुई सभा की शुरुआत–विश्व संगीत समागम तानसेन समारोह में बुधवार की प्रातःकालीन सभा का शुभारंभ स्थानीय तानसेन संगीत महाविद्यालय के ध्रूपद गायन के साथ हुई। राग ÷ जौनपुरी÷ और ताल चौताल में निबद्ध बंदिश के बोल थे ÷ नाद सुघर घर बसायो÷। पखावज पर श्री जगत नारायण ने संगत की।

गान महृषि तानसेन के आंगन में विश्व संगीत की आहुति–दिसंबर माह की सुबह की सर्द बेला में जिम्बाबे के ब्लेसिंग चिमंगा बैंड के कलाकारों ने जब अलावा मारींबा, सिंथेसाइजर , गिटार , सैक्सोफोन , ड्रम और मरीबा नामक वाद्य यंत्रों से शास्त्रीय संगीत से साम्य स्थापित कर मीठी-मीठी विशुद्ध अफ्रीकन धुनें निकालीं तो एक बारगी ऐसा लगा मानो गान महृषि तानसेन के आंगन में हो रहे संगीत के महाकुंभ में विश्व संगीत की आहुतियाँ हो रहीं हैं। इस बैंड ने अफ्रीका की

सांस्कृतिक व मौलिक धुनों को जब ऊर्जावान होकर तेज रिदम के साथ प्रस्तुत किया तो युवा रसिक श्रोताओं में जोश भर गया। वहीं प्रकृति से जु? और निखरे अफ्रीकन संगीत ने गुणीय रसिकों को भीतर तक प्रभावित किया।

बैंड के मुख्य कलाकार चिमांगा हैं, जो अलावा मारींबा नामक अफ्रीकन वाद्य यंत्र बजाते हैं। तान समारोह में हुई इस बैंड की प्रस्तुति में सिंथेसाइजर व मबीरा पर अलीशा , गिटार पर जोलास बास और तुलानी कुवानी ने सैक्सोफोन पर संगत की।ड्रम व अन्य ताल वाद्यों पर ब्लेसिंग मापरुत्सा ने प्रोत्साहन दिया।

पं सुखदेव चतुर्वेदी ने अपनी गायकी से भरा गागर में सागर–तानसेन समारोह में मुंबई से आये पण्डित सुखदेव चतुर्वेदी के राग माधुर्य ने सुधीय रसिकों को भीतर तक प्रभावित किया। उन्होंने अल्प समय में तीन अलग- अलग रागों में बंदिशें पेश कर गागर में सागर भर दिया। पण्डित सुखदेव ने तानसेन के सुपुत्र विलासखान द्वारा सृजित राग ÷विलासखानी तो?ी÷ में एक बंदिश पेश की। ताल चौताल में निबद्ध बंदिश के बोल थे ÷चंद बदनी मृग नयनी हंस गमनी...÷। दरभंगा सांगीतिक घराने की ध्रुपद गायकी में पारंगत पण्डित सुखदेव चतुर्वेदी देश के शीर्ष शास्त्रीय गायकों में शुमार हैं। उन्होंने अपने गायन में कठिन लयकारियों व तिहाहियों को स्पष्ट उच्चारण के साथ प्रस्तुत कर यह साबित किया कि घरानेदार गायिकी कैसी होती है।पण्डित चतुर्वेदी ने अपने गायन को विस्तार देकर राग÷ देसी÷ और धमार ताल में ÷ हूँ तो तुम..÷ का गायन किया। उन्होंने राग ÷ शुद्ध सारंग÷ और सूल ताल में ÷हर हर महादेव...÷ बंदिश गाकर अपने गायन को विराम दिया।उनके गायन में सारंगी पर उस्ताद मुन्ने खाँ, पखावज पर पं मृणाल उपाध्याय ने मनमोहक संगत की। बुधवार की प्रातःकालीन सभा में दूसरे कलाकार के रूप में पं सुखदेव चतुर्वेदी की प्रस्तुति हुई।

सुरों का रमणीय गुलदस्ता सौंप गए अभिषेक बोरकर..–मैहर सेनिया घराने के युवा सरोदिया अभिषेक बोरकर की अंगुलियाँ की थिरकन से सरोद से मधुर सुर झरे तो रसिकों को ऐसा आभास हुआ कि कोई उन्हें सुंदर -सुंदर फूलों का रमणीय गुलदस्ता सौंप रहा है। तानसेन समारोह में पुणे से आए इस संवेदनशील सरोद वादक की प्रस्तुति में दाहिने और बाएं हाथ के बीच वांछित संतुलन से सुरों की वर्षा देखते व सुनते ही बन रही थी। अभिषेक बोरकर ने मधुर राग ÷ चारुकेशी÷ में परिचयात्मक अलाप के बाद तीन ताल में विलंबित व द्रुत गत बजाकर रसिकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिस सहज गति से उन्होंने मधुर राग का वर्णन किया, उससे जाहिर हुआ कि उनकी उचित तालीम कितनी उच्चकोटि की है।पुणे के युवा हिन्दुस्तानी सरोद वादक श्री अभिषेक बोरकर ने अपने पिता पण्डित शेखर बोरकर जी से सरोद पर कठोर और गहन प्रशिक्षण लिया है। अभिषेक बोरकर के सरोद वादन में तबले पर श्री अंशुल प्रताप सिंह ने आश्चर्यजनक राग गावटी की।

Aadhar
Housing Finance Ltd
GHAR BANEGA, TOH DESH BANEGA.
HOME LOAN | PLOT PURCHASE | TOPUP
HOME EXTENSION | LAP | PURCHAS + CONSTRECTION
Add. Alaknanda Tower - 2, City Centre, Gwalior
Contact : Mr. Santosh Singh Bhadoriya
9179661562

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478